जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 114 प्रभात बीकानेर, सोमवार, 17 नवम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'अनुसूचित जाति आरक्षण में भी क्रीमी लेयर लागू होना चाहिये'

सीजेआई गवई ने कहा एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चे को एक स्तर पर नहीं रख सकते

■ भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत का संविधान स्थिर नहीं है बल्कि एक जीवंत, विकसित होने वाला दस्तावेज है।

अमरावती, 16 नवंबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण में क्रीमी लेयर, यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम, ''इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स'' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक ही स्तर पर नहीं रखा जा सकता। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

सीजेआई गवई ने कहा कि उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की काफी आलोचना हुई हो। उन्होंने मुस्कराकर कहा कि न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का बचाव नहीं करना चाहिए... और मेरे पास सेवानिवृत्ति तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है।

उन्होंने भावुक होकर याद किया कि उनके कार्यकाल का पहला कार्यक्रम महाराष्ट्र के अपने गृह नगर अमरावती में था और आख़िरी कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के अमरावती में, मानो उनकी यात्रा एक पूरा चक्र पूरा कर रही हो।

सीजेआई गवई ने कहा कि भारतीय संविधान स्थिर नहीं है, बल्कि एक जीवंत, विकसित होने वाला दस्तावेज है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन की प्रक्रिया इसीलिए रखी गई ताकि समय के साथ जरूरतें बदलने पर देश आगे बढ़ सके। उन्होंने बताया कि आंबेडकर के भाषण, विशेषकर जब वे मसौदा संविधान प्रस्तुत कर रहे थे, हर कानून के विद्यार्थी को पढ़ने चाहिए। आंबेडकर के तीन शब्द- समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व- को उन्होंने भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की रीढ़ बताया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान की वजह से ही आज भारत में दो राष्ट्रपति अनुसूचित जाति से हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति एक अनुसूचित जनजाति की महिला हैं। अपनी यात्रा याद करते हुए उन्होंने कहा, अर्ध-झुग्गी जैसे इलाके और नगरपालिका स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भी जब देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंच सकता है, तो यह संविधान की ही ताकत है।

बीस नवम्बर को हो सकता है बिहार के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण

पटना, 16 नवंबर। पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर (गुरुवार)को मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। शपथ समारोह में पीएम मोदी के आने की संभावना है। ये जानकारी सूत्रों के हवाले से आई है। कहा जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हालांकि, अभी सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया गया है।

सूत्रों के अनुसार माना जा रहा है कि नीतीश कुमार सीएम पद की शपथ

■ पटना के गांधी मैदान में तैयारियां शुरु हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के भी आने की संभावना।

लेंगे। इस बीच यह भी जानकारी सामने आई है कि सोमवार सुबह 11:30 बजे नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक होगी। बैठक में सरकार के इस्तीफे का प्रस्ताव पास किया जाएगा। इसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल से मिलकर इस्तीफा देंगे। इसके बाद नई सरकार के गठन का प्रस्ताव पेश करेंगे।

पटना में जेडीयू के राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली ब्लास्ट में शामिल आई-20 का मालिक आमिर गिरफ्तार

आमिर जम्मू-कश्मीर में संबूरा का रहने वाला है तथा उसने डॉ. उमर के साथ विस्फोट की साजिश रची थी

■ एनआईए ने रविवार को दिल्ली विस्फोट के सिलसिले में हिरासत में लिये गए तीन डॉक्टरों सहित चार लोगों को रिहा कर दिया। जांच में इनका मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी से कोई ठोस संबंध नहीं पाया गया।

नई दिल्ली, 16 नवंबर। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एनआईए ने आई20 कार के मालिक आमिर राशिद को गिरफ्तार कर लिया है।

आमिर ने ही डॉ. उमर के साथ मिलकर दिल्ली को दहलाने की खतरनाक साजिश रची थी। आमिर जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाला है। एनआईए ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि आत्मघाती हमलावर ने कार में धमाके के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया था। जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी और 32 लोग घायल हो गए थे।

जानकारी के मुताबिक विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। जांचकर्ताओं का कहना है कि वह वाहन खरीदने में मदद के लिए दिल्ली गया था।फोरेंसिक जांच से पता चला है कि मृत चालक की पहचान डॉ. उमर उन नबी के रूप में हुई है, जो फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर और पुलवामा जिले का रहने वाला था। एनआईए ने नबी का एक और वाहन भी जब्त कर लिया है, जिसकी अब सबूतों के लिए जांच की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक एनआईए ने रविवार को दिल्ली लाल किला विस्फोट के सिलसिले में हिरासत में लिए गए तीन डॉक्टरों सहित चार लोगों को रिहा कर दिया, क्योंकि जांच में मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी से उनका कोई ठोस संबंध नहीं पाया गया।

दिल्ली पुलिस, हरियाणा पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हुए, कई घायलों सहित 73 गवाहों से पूछताछ की है। कई राज्यों में जांच जारी है क्योंकि अधिकारी व्यापक साजिश का पर्दाफाश करने और हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान करने के लिए सुरागों की तलाश कर रहे हैं।

कांग्रेस एस.आई.आर. के खिलाफ आंदोलन तेज करने की तैयारी में

रणनीति बनाने के लिये 12 राज्यों के नेताओं को 18 नवम्बर को दिल्ली बुलाया

■ खड़गे और राहुल गांधी द्वारा ली जाने वाली बैठक में तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, पडुचेरी, अंडमान-निकोबार व लक्षद्वीप के नेताओं को बुलाया गया है।

नयी दिल्ली, 16 नवंबर। बिहार में हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2.0 वाले राज्यों के नेताओं को दिल्ली बुलाया है क्योंकि पार्टी अब नयी रणनीति के साथ जनता के बीच जाना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार मंगलवार 18 नवंबर को सुबह इंदिरा भवन में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ , गोवा, गुजरात, पुडुचेरी, अंडमान, निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप के पार्टी नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस एसआईआर मामले को लेकर जनता के बीच नयी रणनीति के तहत जाना चाहती है। क्योंकि मतदाता सूची पुनरीक्षण 2.0 वाले 12 राज्यों में से तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। यही वजह है कि बिहार में मिली हार के बाद पार्टी इन राज्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

सूत्रों ने बताया कि इंडिया गठबंधन आगामी लोकसभा सत्र में भी एसआईआर पर जोरदार हंगामा करने की तैयारी में हैं। इस मामले को लेकर नवंबर के अंतिम सप्ताह में कांग्रेस पार्टी दिल्ली की रामलीला मैदान में बड़ी रैली करने की तैयारी में है।

गौरतलब है कि एसआईआर 2.0 कार्यक्रम शुरू हो चुका है और यह 4 दिसंबर तक चलेगा। चुनाव आयोग 9 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची जारी करेगा और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को जारी की जायेगी।

जोधपुर में स्कॉर्पियो ने 3 साल के मासूम को कुचला

जोधपुर, 16 नवम्बर (कासं)। जोधपुर में सड़क पर खेल रहे 3 साल के मासूम को स्कॉर्पियो ने कुचल दिया। गाड़ी का पिछला पहिया बच्चे के सीने के ऊपर से निकल गया, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आसपास खेल रहे बच्चे दौड़कर आए और सड़क पर पड़े मासूम को

■ पुलिस ने एसयूवी की पहचान कर ली है तथा ड्राइवर को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

उठाने लगे, लेकिन वह नहीं उठा। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार बच्चे को कुचलकर जाते हुए दिख रही है। हादसा रविवार सुबह 11.30 बजे कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र की केके कॉलोनी में हुआ। पुलिस ने एसयूवी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली विस्फोट में किस विस्फोटक उपकरण का उपयोग हुआ?

पुलिस विश्लेषण कर रही है कि क्या डॉ. उमर नबी ने वीबीआईईडी का इस्तेमाल किया था?

■ जांच में यह बात सामने आई है कि डॉ. उमर नबी जिस आई-20 कार को चला रहा था, वह वीबीआईईडी हो सकती है क्योंकि वह पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस कार को लेकर घूम रहा था, पर किसी को भी उस कार में बम होने का पता नहीं चला।

नयी दिल्ली, 16 नवंबर। लाल किले के पास सोमवार को हुए कार विस्फोट मामले में जाँच एजेंसियां इस पहलू से भी विश्लेषण कर रही हैं कि क्या वह विस्फोट कथित आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहन जनित परिष्कृत विस्फोटक उपकरण(वीबीआईईडी) से हुआ था। डॉ. उमर उस कार को चला रहा था और उस विस्फोट में तेरह लोग मारे गए थे और चौबीस घायल हुए थे।

उस विस्फोट में डॉ. उमर भी मारा गया था और स्टीयरिंग व्हील तथा इंजन के बीच एक पैर के टुकडे तथा उसकी मां के डीएनए नमूने से जांच की गयी थी। इस जांच में दोनों डीएनए नमूने आपस में मेल खा रहे थे।

जांच एजेंसी सूत्रों ने बताया कि वे इस बात की जाँच कर रहे हैं कि जिस आई- 20 कार को डॉ. उमर नबी चला रहा था वह वीबीआईईडी हो सकती है क्योंकि वे पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस कार को लेकर घूम रहा था और उसमें बम होने का पता ही नहीं चला।

सूत्रों के अनुसार एक वीबीआईईडी कार कुछ सुरक्षा परतों को पार कर सकती है जो आमतौर पर पैदल यात्री नहीं कर पाते हैं। यह कई सीमाओं को पार करते हुए लाल किले जैसे खतरनाक लक्ष्य के बहुत करीब पहुँच सकती है।

सूत्रों ने बताया ''एक वीबीआईईडी विनाश के संदर्भ और पैमाने को तुरंत बदल देता है। यह सिर्फ़ एक बम नहीं है; यह एक विशिष्ट प्रकार की हथियार प्रणाली है जिसके बहुत ही घातक परिणाम हो सकते हैं। वीबीआईईडी एक गतिशील, बड़े आकार का बम होता है जिसे किसी खास बड़े लक्ष्य के करीब एक भारी विस्फोटक सामग्री (पेलोड) पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वाहन का डिजाइन और प्रकार इसके विनाशकारी प्रभाव और बढ़ा देता है।''

सूत्रों के अनुसार लाल किले में हुए विस्फोट का प्रभाव इतना ज़ोरदार था कि इसकी आवाज़ आईटीओ तक सुनी गयी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसने धरती को 40 फीट की गहराई तक हिला दिया। एक वीबीआईईडी सैकड़ों या हज़ारों पाउंड विस्फोटक ले जा सकता है जिससे ऐसा विस्फोट हो सकता है।

सूत्र ने कहा, ''यह मज़बूत इमारतों को ध्वस्त कर सकता है, वाहनों को पलट सकता है, और एक बड़े क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे को विनाशकारी नुकसान पहुँचा सकता है और दिल्ली विस्फोट में भी यही हुआ। अपराधी अक्सर हताहतों की संख्या बढ़ाने के लिए वाहन में गैस सिलेंडर के साथ साथ नुकीली वस्तुएं भी भर देते हैं ताकि लोगों को गंभीर चोटें आएं।

सूत्र ने बताया कि घटनास्थल पर कोई डेटोनेटर नहीं मिला, जिसकी उन्हें तलाश थी। इससे यह भी संकेत मिलता है कि यह एक वीबीआईईडी था। लाल किले के बाहर विस्फोट के तुरंत बाद भीषण आग लग गई जो वीबीआईईडी हमले में आम बात है।

एजेंसियों के एक अधिकारी ने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शेख हसीना पर फैलसे से पहले ढाका में सुरक्षा कड़ी की

■ अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण शेख हसीना के खिलाफ एक मामले में सोमवार को फैसला सुनायेगा।

ढाका, 16 नवंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ दायर एक मामले में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा सोमवार को फैसला सुनाए जाने के मद्देनजर ढाका और आसपास के जिलों में सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी की गई है।

पुलिस, सेना और बॉर्डर गार्ड बंगलादेश (बीजीबी) ने विशेष रूप से सरकारी भवनों, सचिवालय और न्यायाधिकरण परिसर के पास अतिरिक्त जांच चौकियां स्थापित की हैं।

अधिकारियों ने हाल ही में आगजनी और देसी बम विस्फोटों में वृद्धि की सूचना दी है जिससे जनता की चिंताएं और बढ़ गई हैं। सरकार ने जहां शांति की अपील की है वहीं छात्र संगठनों और विपक्षी राजनीतिक समूहों ने स्थिति को अस्थिर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी है। अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर अभी भी प्रतिबंध लगा हुआ है, उसने पहले 13 नवंबर को ''ढाका लॉकडाउन'' की घोषणा की थी, ताकि वह अपने वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी एवं राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमों के विरोध में प्रदर्शन कर सके। गृह मंत्रालय ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया है कि वे फैसले से पहले के दिनों में अधिकतम अलर्ट पर रहें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रोहिणी के बाद लालू यादव की तीन और बेटियां अचनाक दिल्ली रवाना

परिवार के सूत्र इसे पहले से तय यात्रा बता रहे हैं, पर रोहिणी विवाद के दूसरे दिन इसे संयोग नहीं माना जा रहा

■ अब पटना में राबड़ी देवी का आवास, जो राजद की राजनीति का केन्द्र है, लगभग खाली हो गया है। केवल लालू यादव, राबड़ी देवी व बड़ी बेटी मीसा भारती घर में रह गये हैं। तेजस्वी यादव सार्वजनिक चुप्पी में हैं तथा अपना अधिकतर समय राबड़ी आवास के बाहर बिता रहे हैं।

पटना, 16 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राजद को मिली करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रहा तनाव अब सार्वजनिक और बेहद गंभीर रूप ले चुका है। रोहिणी आचार्य द्वारा राजनीति और परिवार से नाता तोड़कर पटना छोड़ने के 24 घंटे के भीतर ही रविवार को लालू यादव की तीन और बेटियां, रागिनी यादव, चंदा यादव और राजलक्ष्मी यादव भी पटना में स्थित सरकारी आवास, 10 सर्कुलर रोड, छोड़कर दिल्ली रवाना हो गईं।

सुबह से ही राबड़ी आवास पर गतिविधियां बढ़ी हुई थीं। शाम तक तीनों बेटियां अपने बच्चों और सामान के साथ पटना एयरपोर्ट पहुंचीं और बिना किसी टिप्पणी के दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। परिवार के करीबी सूत्र यह कह रहे हैं कि यह पहले से तय यात्रा हो सकती है, लेकिन रोहिणी विवाद के अगले ही दिन इस कदम को एक संयोग मानना कठिन है।

इन तीन बेटियों के दिल्ली जाने के बाद, पटना स्थित राबड़ी देवी का आवास, जो राजद की राजनीति का केंद्र है, अब लगभग खाली हो गया है। अब वहां केवल लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती (राज्यसभा सांसद) रह गई हैं। तेजस्वी यादव लगातार सार्वजनिक चुप्पी में हैं और राबड़ी आवास के बाहर ही अपना अधिक समय बिता रहे हैं।

रोहिणी आचार्य ने शनिवार और रविवार को सोशल मीडिया पर कई भावुक पोस्ट डालते हुए आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज़ ने उन्हें अपमानित किया, गालियां दीं और चप्पल उठाकर धमकाया। उन्होंने कहा कि उन्हें मायके से जबरन निकाल दिया गया और अनाथ कर दिया गया।

रोहिणी आचार्य ने कहा कि उनके माता-पिता और बहनें उनके अपमान के कारण रो रहे थे, इसके बावजूद उन्हें अपने पैतृक घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने मायके से सारे रिश्ते तोड़ने पर मजबूर किया गया और अनाथ की तरह परिवार और घर छोड़ना पड़ा। उन्होंने एक भावुक अपील में लिखा कि किसी भी बेटी को वह सब कुछ नहीं सहना पड़े जो उन्होंने सहा और उम्मीद करती हैं कि कोई भी घर अपनी बेटी या बहन को उस तरह से कष्ट न सहते देखे।

रोहिणी ने अपने पोस्ट में लिखा कि ''कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक माँ को जलील किया गया, गंदी गालियाँ दी गयीं, मारने के लिए चप्पल उठाया गया, मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया, सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पडी .. कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए माँ बाप बहनों को छोड़ आयी, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया.. मुझे अनाथ बना दिया गया. आप सब मेरे रास्ते कभी ना चलें, किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी - बहन पैदा ना हो।''

पार्टी से पहले ही अलग-थलग चल रहे तेज प्रताप यादव ने बहन रोहिणी के समर्थन में तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''मैं अपना अपमान सह सकता हूं, बहन का नहीं, अब भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा।'' उन्होंने रोहिणी आचार्य को अपनी नई पार्टी जनशक्ति जनता दल का राष्ट्रीय संरक्षक बनने का ऑफर भी दिया है।

आसियान राजनयिकों का दल 3 दिन भोपाल में रहेगा

भोपाल, 16 नवम्बर। आसियान देशों के उच्च स्तरीय राजनयिकों का प्रतिनिधिमंडल 18 से 20 नवम्बर तक तीन दिवसीय भोपाल प्रवास पर रहेगा। इस दौरान वे राज्यपाल और मुख्यमंत्री से भेंट करेंगे, निवेश संगोष्ठी में शामिल होंगे और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन करेंगे। यह दौरा मध्यप्रदेश और आसियान देशों के

■ यह दल राज्यपाल व मुख्यमंत्री से मिलेगा तथा एक निवेश संगोष्ठी में भाग लेगा।

बीच आर्थिक, औद्योगिक, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

प्रतिनिधिमंडल 18 नवम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करेगा। बैठक में प्रदेश के निवेश-अनुकूल वातावरण, औद्योगिक नीति, आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, एग्री-प्रोसेसिंग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री द्वारा प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में रात्रिभोज भी आयोजित किया गया है। 19 नवम्बर को प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल मंगूभाई पटेल से शिष्टाचार भेंट करेगा। इसके बाद होटल कोर्टयार्ड मैरियट में आयोजित ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट सेमिनार में शामिल होने के बाद साँची और भीमबेटका जैसे विश्व धरोहर स्थलों का भ्रमण कर मध्यप्रदेश की प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों से रूबरू होगा। 20 नवम्बर को प्रतिनिधि मण्डल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय और जनजातीय संग्रहालय का अवलोकन करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

झूठ की सजा यह नहीं कि उसका विश्वास नहीं किया जाता बल्कि वह किसी का विश्वास नहीं कर सकता। –शेक्सपियर

झूठी ख़बरों का सच!

पिछले दिनों हम सब एक अप्रिय प्रसंग के साक्षी बने। विभिन्न सोशल मीडिया मंचों और कुछेक प्रतिष्ठित समाचार माध्यमों पर यह ख़बर चली कि बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र नहीं रहे। ज़माना सोशल मीडिया का है और हममें से जो भी लोग इन माध्यमों को बरतते हैं, उन्हें अपनी सामाजिकता के प्रदर्शन की बहुत जल्दी रहती है इसलिए तुरंत ही यह ख़बर जंगल की आग की तरह फ़ैल गई। इस अत्यधिक लोकप्रिय अभिनेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने में कोई किसी और से पीछे नहीं रहना चाहता था। जिसने भी यह ख़बर कहीं पढ़ी, या किसी से सुनी, उसने तुरंत ही 'विनम्र श्रद्धांजलि' (या आरआईपी, अगर वह अंग्रेज़ी का उपयोग कर रहा/रही थी) लिखकर अपनी श्रद्धा की अंजलि उस ही–मैन को अर्पित कर दी, जो असल में ज़िंदा था और मुंबई के ब्रीच कैण्डी अस्पताल में इलाज़ करवा रहा था। कुछ टीवी चैनल अपने को सबसे आगे या सबसे तेज़ बताते हुए अपनी पीठ थपथपाते पाए जाते हैं। शायद उन्हीं की टैग लाइन का यह प्रभाव हो कि हम में से बहुत सारे भी इस फिक्र में रहते हैं कि कहीं कोई और हम से आगे न निकल जाए। सच्चाई का क्या है, उसका तो हम बाद में भी पता कर लेंगे, अभी तो हम सबसे आगे हो जाएं! उचित ही, इस मिथ्या समाचार ने धर्मेंद्र के परिवार जन को आहत किया और उनका क्रोध सार्वजनिक रूप से व्यक्त भी हुआ।

यहीं यह याद कर लेना भी उचित होगा कि धर्मेंद्र के साथ पहली दफा ऐसा नहीं हुआ है। यह एक कटु यथार्थ है कि उनकी कार के एक्सीडेंट, हृदयाघात या अचानक मृत्यु की झूठी ख़बरें हर दूसरे–तीसरे साल में आती रही हैं। जून 2022 में सोशल मीडिया पर यह ख़बर वायरल हुई थी कि धर्मेंद्र का निधन हो गया है। बाद में फैक्ट चैक साइट्स ने इस ख़बर का खंडन किया। इससे पहले सन् 2010 में भी, जब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था, फ़ेसबुक पर उनके निधन का समाचार चला था। तब उनके परिवार ने ही इस ख़बर का खंडन किया था। सन् 2024 में वॉट्सएप पर उनकी तबीयत ख़राब होने की ख़बर बहुत तेज़ी से फैली थी। गनीमत यह कि यह ख़बर तबीयत खराब होने तक सीमित रही थी।

वैसे मिथ्या ख़बरों के शिकार धर्मेंद्र ही नहीं और भी कई सितारे हुए हैं। सन् 2024 में एक ख़बर बहुत तेज़ी से फैली थी कि बॉलीवुड के शहंशाह अर्थात अमिताभ बच्चन अमरीका में एक कार दुर्घटना के शिकार हो गए हैं। बाद में खुद अमिताभ बच्चन ने, जो सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय रहते हैं, एक वीडियो पोस्ट कर इस ख़बर का खंडन किया था। इससे पहले सन् 2010 में भी उनके बारे में ऐसी ही ख़बर उड़ा थी। शाहरुख ख़ान के बारे में तो कई बार इस तरह की ख़बरें चली हैं, ख़ास तौर पर तब जब वे किसी शूटिंग या यात्रा में होते हैं। सन् 2017 में एक वायुयान दुर्घटना में उनके न रहने की मिथ्या ख़बर एक यूरोपीय चैनल के नाम से वायरल हुई थी। दक्षिण के सुपरस्टार रजनीकांत जब सन् 2011 में किडनी के इलाज़ के लिए अस्पताल में भर्ती हुए तो उनकी मृत्यु की अफवाह फैल गई थी। बाद में उनके पीआर स्टाफ़ ने खंडन करते हुए बताया कि वे तो अमरीका में छुट्टियां मना रहे हैं। इसके बाद सन् 2020 में फिर यही क़िस्सा दोहराया गया। ऐसा नायकों के साथ हो, यह भी ज़रूरी नहीं है। सन् 2015 में एक कार दुर्घटना में शक्ति कपूर को भी 'मारा' जा चुका है।

भारत में अभिनेता ही नहीं, अभिनेत्रियां भी इन मिथ्या अशुभ ख़बरों की शिकार होती रही हैं। सन 2013 और 2022 में फ़ेसबुक की पोस्ट्स में कैटरीना कैफ़ को कार दुर्घटना या आकस्मिक मृत्यु का शिकार बताया जा चुका है। सन् 2024 में धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित की हार्ट अटैक से मृत्यु की ख़बर ने बहुतों को व्यथित किया था। इस ख़बर का खंडन ख़ुद माधुरी दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर किया। ऐश्वर्या राय बच्चन को 2016 में कार एक्सीडेंट का शिकार बता कर उनके प्रशंसकों को दुखी किया गया था तो बहुत पहले, सन् 2012 में स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को हार्ट अटैक का शिकार बताया जा चुका था। इस ख़बर का खंडन ख़ुद लता मंगेशकर ने किया था। और यह बीमारी भारत तक ही सीमित नहीं है। हाल में जैकी चैन को लेकर भी ऐसी ही मिथ्या ख़बर हम सबने सुनी है।

एक आम नागरिक के लिए जो हर ख़बर पर भरोसा करने का अभ्यस्त रहा है, यह समय बहुत चुनौती भरा है। हो सकता है अतीत में यह धारणा सही रही हो कि अगर अखबार में छपा है या रेडियो पर प्रसारित हुआ है तो यह सच के सिवा कुछ और हो ही नहीं सकता। आज अगर आप विवेकवान हैं तो आपको हर ख़बर को शक की निगाह से देखना चाहिए और उस पर तब तक भरोसा नहीं करना चाहिए जब तक आप कई सूत्रों से उसकी पुष्टि न कर लें।

अभी हमने जिन मिथ्या ख़बरों की चर्चा की उन सबके मूल में एक ही बात है और वह है बिना तथ्यों की पड़ताल किए सबसे पहले रहने की हड़बड़ाहट। पहले जब ख़बरों का माध्यम केवल समाचार पत्र थे, उनके सामने प्राय: ऐसी विवशता नहीं हुआ करती थी। 24 घंटे में एक बार अख़बार छपता था और उसकी संपादकीय टीम के पास प्राय: तथ्यों की पड़ताल करने के लिए पर्याप्त समय हुआ करता था। उसी दौर में अन्य एकमात्र समाचार माध्यम सरकारी रेडियो अर्थात आकाशवाणी हुआ करता था। वहां भी हड़बड़ाहट की बजाय ठहराव और ज़िम्मेदार होने का भाव रहता था। ख़बर भले ही देर से जाए, ग़लत ख़बर न जाए। असल में तब समाचार माध्यमों की किसी से प्रतिस्पर्धा थी ही नहीं। लेकिन जब संचार के साधन बदले, उनकी प्रकृति भी अलहदा हुई, ठहराव की जगह गति ने ली तो सब कुछ बदल गया। हमें सबसे आगे रहना है। अगर कभी कोई चूक भी हो जाएगी तो उसके लिए माफ़ी मांग ली जाएगी, लेकिन दौड़ में फर्स्ट तो आना ही है। जो लोग ख़बरों की दुनिया में काम करते हैं उन पर उनके तंत्र के भी दबाव होते हैं। उनसे जवाब तलब किया जाता है कि तुम दूसरों से पीछे कैसे रह गए! फिर, बेचारे वे भी तो इंसान हैं। उनमें भी भलमनसाहत और विश्वास का सहज मानवीय गुण है। अगर किसी ने किसी की मृत्यु की ख़बर दी है तो वह मिथ्या थोड़े ही होगी! इस विश्वास के भरोसे वे भी उसे चला देते हैं।

इसी बीच आया सोशल मीडिया। उसने हम सब को, आम नागरिक को खबरची बना डाला। किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपका खाता है और आपको दो लाइनें टाइप करना आता है तो बस, आप हो गए ख़बर देने वाले। हम सब ऐसे ही खबरची हैं। इधर से कोई ख़बर आई हम चाहते हैं जल्दी से जल्दी उसे औरों तक पहुंचाने का पुण्य कार्य कर डालें। यहां भी वही भलमनसाहत का भाव रहता है। किसी ने ख़बर दी है तो सही ही दी होगी, वाला भाव। मनुष्य सहज विश्वासी होता है। वैसे भी ऐसे पुण्य कार्य करने वाले के पास न तो इतना धैर्य होता है और न इतनी फुरसत कि वह हर ख़बर की सच्चाई की जांच करे। हां, उस्ताद लोग आजकल फॉरवर्डेड एज़ रिसीव्ड लिख कर अपनी चमड़ी बचाने का (फालतू) प्रयास भी करने लगे हैं। फालतू इसलिए कि अगर इस समाचार की प्रामाणिकता पर आपको भी भरोसा नहीं है तो इसे फॉरवर्ड कर ही क्यों रहे हो?

इन सारी बातों के बीच एक मिथ्या ख़बर की चर्चा तो छूटी ही जा रही है। सन् 1975 में तत्कालीन सरकार ने देश में आपातकाल लगाया था। उस आपातकाल के विरोध करने वालों में सबसे आगे थे लोक नायक जयप्रकाश नारायण। उस समय वे जेल में थे और उनकी किडनी खराब हो गई थी। तब एक दिन अचानक यह समाचार विदेशी प्रसारण केंद्रों तक से प्रसारित हुआ कि जयप्रकाश नारायण नहीं रहे, हालांकि वे इस समाचार के बाद भी लम्बे समय तक जीवित रहे। अब कुछेक सूत्र यह भी कहते हैं कि उनकी मृत्यु का समाचार आपातकाल विरोधी आंदोलन को क्षति पहुंचाने के लिए सोच समझकर प्रसारित करवाया गया था।

आज का समय सच में झूठ की मिलावट का समय है। आप कोई ख़बर पढ़ते हैं और फिर कुछ समय बाद पता चलता है कि वह ख़बर तो मिथ्या थी, प्लांटेड थी। अब समाचार बहुत बड़ा व्यवसाय बन चुका है। किसी की छवि बनाना या बिगाड़ना– सब बहुत प्रोफ़ेशनल तरीके से होने लगा है। बहुतों की तो यह रोजी–रोटी भी है। ऐसे में एक आम नागरिक के लिए जो हर ख़बर पर भरोसा करने का अभ्यस्त रहा है, यह समय बहुत चुनौती भरा है। हो सकता है अतीत में यह धारणा सही रही हो कि अगर अखबार में छपा है या रेडियो पर प्रसारित हुआ है तो यह सच के सिवा कुछ और हो ही नहीं सकता। आज अगर आप विवेकवान हैं तो आपको हर ख़बर को शक की निगाह से देखना चाहिए और उस पर तब तक भरोसा नहीं करना चाहिए जब तक आप कई सूत्रों से उसकी पुष्टि न कर लें।

अब कृपा करके यह न पूछें कि क्या ऐसा करना हर किसी के लिए मुमकिन है?

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

आये थे हरि भजन को औटन लगे कपास – घटती मानवीयता पर आघात करता लेख

प्रो. वीर बहादुर सिंह

मनुष्य जीवन का उद्देश्य यह नहीं कि पैदा हुए, खेले, पढ़े, व्याह किया, परिवार बनाया, व्यापार अथवा नौकरी की और अंत में एक दिन परलोक सिधार गए। ऐसा जीवन तो पशु–पक्षी व् अन्य जीव भी जी लेते हैं। परन्तु मानव जीवन की इस प्रकार जीने में सार्थकता नहीं। आज सौ वर्ष से भी अधिक समय बीत गया स्वामी विवेकानंद जी तीस प्लस की अल्प आयु में ही अपना कर्तव्य पूरा कर देवलोक चले गए, परमहंस योगानंद जी, आध्यात्मिक गुरु जिन्होंने विवेकानंदजी की ही भाँति विदेश में भारत के उच्च संस्कारों को उजागर किया और पचास प्लस की आयु में ही ऐसे विलीन हुए कि उनके शिष्यों को सत्ताईस दिनों तक उनके साधना में होने का भ्रम होता रहा जो आज भी रिकॉर्ड है। ऐसे और भी दिव्य जन इस लोक में जन्में और सकारात्मकता व् मानवीयता से विमुख मनुष्यों को जीवन की राह दिखा गए। दोनों ही दिव्य आत्माएं आज भी अनेक लोगों का मार्ग प्रदर्शन करती हैं।

अभी तक ज्ञात पृथ्वी के अतिरिक्त ब्रह्माण्ड के किसी अन्य गृह पर जीवन की खोज नहीं हो सकी और शायद भविष्य में भी न हो सकेगी। मनुष्य अन्य ग्रहों से खनिज धातुएं आदि भले ही प्राप्त कर ले लेकिन वहां अनुकूल वातावरण पैदा कर जीवन व्यतीत करना संभवत: आसान न हो। प्रकृति ने पृथ्वी पर जीवन जीने के लिए सर्व प्रथम अनुकूल वातावरण की ही रचना की ऐसी कि जो स्वंय से ही चिर काल तक विघटन से पुन: सतत स्वनिर्मित होता रहे। उपरांत इसके पहले विभिन्न वनस्पतिओं का बीजारोपण हुआ और वह भी स्वत: ही पनपने में सक्षम। इसी प्रकार जीवजंतुओं, कीट–पतंगे, पक्षी–पशु, जलीय जीव और शायद सबसे बाद मानव का उद्भव हुआ होगा। वो भी वनस्पतिओं भांति ही उत्पन्न एवं क्षरण के प्रोसेस में आकर आगे बढ़ा होगा। पृथ्वी पर सृष्टि अनादिकाल से ऐसे ही चलती रही है।

जीव निर्माण और जीवन के उद्भव में अनगिनित वनस्पतियां, अनगिनित जीव, पशु–पक्षी, प्राणी आदि इस पृथ्वी पर उत्पन्न हुए और आज भी हैं। लेकिन इस क्रिया में अनेक जीव–जंतु, पेड़–पौधे विलुप्त भी होते गए जिनके फॉसिल्स (अंश–अवशेष) वर्तमान में भी कहीं कहीं मिल जाते हैं।

मनुष्य ने अपने विवेक से इन सभी वनस्पतिओं और जीव–जंतुओं व् प्राणिओं का वर्गीकरण किया हुआ है। इन सभी जीवों में प्रकृति ने मनुष्य को कुछ विशेषताएं दी हैं जो अमूमन अन्य जीवों में नहीं हैं अथवा कम विकसित हैं। स्नेह या दुलार, प्रेम, सहानुभूति, दया, परोपकार, सहयोग, सोच व् याददास्त, विवेक, बुद्धि ये सब सकारात्मक गुण हैं जिन्हे व्यक्ति माता–पिता, परिवार के बड़ों से, समाज और अध्यापक से और दूसरों के आचरण से, तथा पुस्तकों से प्राप्त करता है और उन्हें आचरण में लाता है। नकारात्मक गुणों में द्वेष, ईर्षा, बल से किसी को शारीरिक क्षति, चोरी–डकैती इत्यादि प्रमुख हैं।

अपने चातुर्य और प्रेम से मनुष्य ने खूंखार व्याघ्रों तक तो पालतू बनाया है और उनसे मनचाहा कार्य करवाने को भी निर्देशित किया है। दोनों प्रकार की विशेषताओं में तुलनात्मक दृष्टि से बड़ा अंतर है सभी को साथ रखने और प्रसन्न रखने और रहने के लिए अत: आवश्यक है कि सकारात्मक गुण सुखी जीवन के लिए व्यक्ति अपने में विकसित करे और जब सभी लोग, समाज, देश ऐसे ही गुणों से परिपूर्ण हों तो आपस में कटुता और वैमनष्य नहीं पनपेगा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहेगा। वर्तमान में जो स्तिथि हम देशों की देख रहे हैं वह सकारात्मक कदापि नहीं कही जा सकती। विभिन्न देशों के लोगों में आर्थिक सम्पन्नता और विपन्नता हो सकती है परन्तु आपसी मेलजोल और सहयोग से उस रिक्तता को कम किया अथवा मिटाया जा सकता है। लेकिन अविवेकी इस खाई को और चौड़ा होने देते हैं फलत: वे निकट पडोसी होते हुए सदैव दुश्मन ही बने रहते हैं।

भारत और पाकिस्तान में ऐसी ही दुश्मनी है और अब बांग्लादेश भी इसी श्रेणी में शामिल हो गया है। इनसे भारत को कैसे निपटना होगा भविष्य के गर्त में है। ये देश धर्म की सहसुडता को नकारकर कट्टरता को सर्वोच्च मानकर सभी निर्णय करते हैं इसीलिये उनके यहाँ अभी भी ग़रीबी चरम पर है और विकास कार्य सबसे निचले स्तर पर। खाद्यानों का उत्पादन भी उनकी आबादी की उदरपूर्ति के लिए भी काफी नहीं, विकास और संसाधन की सोचना तो अर्थहीन है। उन्हें अपनी फौज और फौजी हथियार ही प्राथमिक तौर पर भाते हैं। अफगानिस्तान (अब तालिबान) भी वर्षों आतंकी और युद्ध बिभीषि –काओं के सहते बर्वाद हो गया। अमेरिका उसे चूसता रहा और वहां के लोग अविवेकी बने रहने से देश कंगाल हो गया। जो उसे लड़ा रहा था वह अपने ऊपर संकट आते देख वहां से भाग खड़ा हुआ।

जर्जर हालातों में तालिबानी रातों रात सभी व्यवस्थाओं को ठीक नहीं कर सकते थे। ऐसी असहाय स्तिथि में भारत के प्रधान मंत्री ने केवल सूचनाओं के आधार पर वहां की जनता के कष्ट कम करने के लिए मानवीयता के नाते बिना किसी के कहे ट्रकों में खाद्यान, दवाइयां, कपडे और अनेक रोजमर्रा की वस्तुएं भरवा कर काबुल भिजवा दिया। वहां के लोगों ने जब यह सब सामान देखा तो बच्चे और महिलाएं तो खुश हो गए वहीँ प्रौढ़ भारत की इंसानियत देख कायल भी हुए और आभारी भी, क्योंकि किसी पडोसी देश ने उनकी स्तिथि और मज़बूरी को समझा और मदद का हाथ बढ़ा दिया।

तदुपरांत अफगानिस्तान से एक अधिकारी देहली पहुँचा और भारत की सदासयता के लिए आभार व्यक्त कर अपना दूतावास कायम करने और भारत को काबुल में दूतावास खोलनें का प्रस्ताव व्यक्त किया। जिन देशों के मध्य वर्षों से जब कोई राजनैतिक सम्बन्ध न हों वहां केवल भारत के एक कदम से वह दूरी इतनी सरलता से पट गई जिसे पाटने में कई प्रयोजन करने पड़ते और समय लगता वो अलग। पाकिस्तान, तत्कालीन अफगानिस्तान, बांग्लादेश वैसे ही आतंक पर गुजर–बसर करने वाले देश हैं, जिनकी वज़ह से भारत के लोग और सरकार कभी भी चैन से नहीं रह पाते। आतंक पर निर्भरता देश के नेताओं और फ़ौजिओं का मानसिक संतुलन नहीं रहने देती और उन्हें सदैव भय व्यापता रहता है कि कहीं कोई अनहोनी न घटित हो जाये।

दूसरी तरफ अपेक्षाकृत बड़ा देश चीन भी भारत के लिए सीमा पर उपद्रव करता ही रहता है। चीन को विवेक से सोचना चाहिये कि यदि भारत भी उनके देश के अंदर और सीमाओं पर कुछ अवांछनीय कार्य करता रहे तो उसे कैसा लगेगा? भारत की तो कभी निति नहीं रही कि किसी देश में कोई उपद्रव अथवा सीमाओं पर घुसपैंठ की जाय। भारत की अपनी सीमायें ही इतनी विशाल हैं कि उन्हें ही संभालना एक कठिन कार्य है। मेरा मत है कि शिक्षा का कोई अर्थ नहीं यदि विवेक काम में न लाया जाय। आये दिन उपद्रव, अकारण बम्ब विस्फोट, आगजनी, धर्म के आधार पर टकराव देश में अब आम बात हो गई है।

गत दो तीन दिन पूर्व ही देहली के लालकिले के पास कार बम्ब ब्लास्ट हुआ अनेक बेकसूर लोग मर गए। आश्चर्य, इस घटना को अंजाम देने के लिए पकडे गए लोग प्रोफ़ेसनली क्वालिफाइड डॉक्टर आदि थे। मैं समझता हूँ कि जो लोग ऐसी आतंकी प्रवर्ति की सोच रखते हैं उनकी परवरिश, शिक्षा और परिवेश सभी दूषित हो चुके हैं वहां अब सुधार की सम्भावना नजर नहीं आती। आये दिन छोटी बात पर ही चाकू बाजी, कट्टा फायर अथवा और कोई तरीका दूसरे पक्ष को प्रताड़ित करने की घटनाएं आम हो चुकी हैं। समझायस से भी ये रुकनेवाली नहीं क्योंकि भड़काने वाले और आर्थिक सहायता प्रदान करने वाले निकट ही तैयार बैठे रहते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं इन घटनाओं को रोकने में अभी तक विफल ही रही हैं। क्या विश्व का कोई नेता इन टकरावों को रोक सकता है यदि उसे नोवेल प्राइज का प्रलोभन मिले ?

नोबेल समिति को इस काम के लिए भी नोबेल प्रदान करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मैं अमेरिका के प्रेजिडेंट ट्रम्प की इस बावत स्वंय के लिए किये प्रयत्नों को ध्यान में रख यह सुझाव नहीं दे रहा हूँ क्योंकि अमेरिका तो देशों में युद्ध कराने में पहले से ही माहिर है। वियतनाम एक अदना सा देश, फिर अफगानिस्तान वर्षों अमेरिका पोषित युद्ध में संलग्न रहकर बर्वाद हो गए। आतंकी गतिबिधियाँ को रोकने में न्यायलय भी बेअसर हैं। वर्तमान की न्यायव्यवस्था से अपराधी और पब्लिक कोई राहत नहीं पाते बल्कि लचर क़ानून और व्यवस्था से मिली सजा का कोई औचित्य भी नहीं क्योंकि सजा एक तो अप्रत्याशित बिलम्ब से और फिर जेल में भी पेरोल दर पेरोल मिलने से अपराधी पर कोई फर्क नहीं पड़ता बल्कि उलटे जेलों पर अकारण और अनियोजित कैदिओं का भार अंतत: जनता के टेक्स को ही सहना पडता है। वर्तमान में अपराधी को जेल के वजाय सजा मुक्ति देना अपेक्षाकृत श्रेयकर रहेगा। इससे जेलों पर कैदिओं का भार भी कम हो जायेगा।

मैं आशा करता हूँ कि इससे अल्लहड़ उम्र में व्यापक प्रभाव पड़ेगा और बच्चे के व्यक्तित्व में शरीर वृद्धि के साथ मानसिक और मानवीय सकारात्मकता में बदलाव अवश्य दृष्टिगोचर होगा भले ही बदलाव का प्रतिशत पहले कुछ कम ही रहे। साथ ही बच्चों को गैर सरकरी आयोजनों में यथा शक्ति जोड़ा जाय ताकि वे सेवा भाव और सहयोग को भी जीवन में कुछ उतार सकें जनता ऐसे बदलाव के लिए सरकार से आशा न रखे। यह कार्य समाज के प्रबुद्ध जनों और विभिन्न समाजों का है वे प्राचीन काल में भी ऐसा करते आये हैं।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
सेवा निवृत, खाद्य एवं डेरी विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

भारत में मानसिक स्वास्थ्य: दिखाई न देने वाला महामारी का रूप

राम शर्मा

भारत में जब स्वास्थ्य की चर्चा होती है, तो आमतौर पर बात शारीरिक बीमारियों तक ही सीमित रह जाती है। लेकिन अब समय आ गया है कि हम एक ऐसे क्षेत्र की ओर ध्यान दें जो हमारे समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है – मानसिक स्वास्थ्य। यह एक ऐसी समस्या है जो दिखाई नहीं देती, पर धीरे–धीरे लोगों के जीवन को भीतर से तोड़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पंद्रह करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से पीड़ित हैं, लेकिन उनमें से केवल दस प्रतिशत लोग ही उपचार तक पहुँच पाते हैं। यह स्थिति बताती है कि देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और जागरूकता दोनों की गंभीर कमी है।

शहरी जीवन की तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, पारिवारिक तनाव और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया ने आज व्यक्ति को भीतर से असंतुलित कर दिया है। लोग अक्सर शारीरिक थकान, सिर दर्द, अनिद्रा या गुस्से जैसी शिकायतों को सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं, जबकि ये मानसिक तनाव और अवसाद के संकेत हो सकते हैं। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कार्यरत मनोचिकित्सक डॉ. आर. के. वर्मा बताते हैं कि उनके पास हर दिन ऐसे मरीज आते हैं जो पहले तो अपनी बीमारी को मानने से ही इंकार कर देते हैं। वे कहते हैं कि लोग मानसिक परेशानी को कमजोरी समझते हैं, जबकि यह भी किसी अन्य शारीरिक रोग की तरह ही उपचार योग्य है।

कोविड–19 महामारी ने मानसिक स्वास्थ्य संकट को और गहरा कर दिया। लॉकडाउन के दौरान सामाजिक अलगाव, आर्थिक अस्थिरता और अनिश्चित भविष्य ने करोड़ों लोगों के मानसिक संतुलन को प्रभावित किया। एक सर्वेक्षण के अनुसार महामारी के बाद भारत में अवसाद और चिंता के मामलों में पैंतीस प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में देश में एक लाख पचहत्तर हजार से अधिक आत्महत्या के मामले सामने आए, जिनमें सबसे अधिक संख्या युवाओं की थी। यह आंकड़ा समाज में मानसिक अस्वस्थता की भयावह तस्वीर पेश करता है।

यह समस्या केवल शहरों तक सीमित नहीं है। ग्रामीण भारत में स्थिति और गंभीर है। गांवों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं लगभग नगण्य हैं। वहां अब भी बहुत से लोग मानसिक रोगों को किसी भूत–प्रेत या कर्मफल जैसी मान्यताओं से जोड़ते हैं। भीलवाड़ा में हाल ही एक घटना सामने आई, जिसमें मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति को उसके परिजन अस्पताल ले जाने की बजाय किसी भोपे के पास ले गए. बाद में उसकी मौत हो गई। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि जागरूकता की कमी और अंधविश्वास किस तरह समस्या को बढ़ा रहे हैं।

भारत सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कई प्रयास किए हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम 1982 से चल रहा है जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे में जोड़ना है। इसके अलावा टेली–मानस हेल्पलाइन के माध्यम से देशभर में मुफ्त मानसिक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक इस हेल्पलाइन पर पचास लाख से अधिक कॉल्स प्राप्त हुई हैं। यह इस बात का संकेत है कि लोग अब धीरे–धीरे अपनी भावनात्मक समस्याओं पर खुलकर बात करने लगे हैं। फिर भी विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में प्रति एक लाख आबादी पर केवल 0.75 मनोचिकित्सक उपलब्ध हैं, जबकि विकसित देशों में यह संख्या दस से अधिक होती है।

कॉर्पोरेट जगत में भी मानसिक स्वास्थ्य अब एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। काम का अत्यधिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और समय सीमा के बोझ के कारण कर्मचारी तनावग्रस्त रहते हैं। कुछ बड़ी कंपनियां अब अपने कर्मचारियों के लिए वेलनेस प्रोग्राम चला रही हैं, जहां ध्यान, योग और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं। आईटी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी रवि कुमार बताते हैं कि पहले कार्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य पर बात करना कमजोरी समझा जाता था, लेकिन अब उनकी कंपनी हर शुक्रवार को मेंटल हेल्थ अवर रखती है, जहाँ कर्मचारी अपनी बात खुलकर रख सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां युवाओं में और भी बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग ने उनके आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को गहराई से प्रभावित किया है। लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़ ने वास्तविक जीवन के रिश्तों को कमजोर कर दिया है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार जो युवा रोजाना पांच घंटे से अधिक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, उनमें अवसाद के लक्षण साठ प्रतिशत अधिक पाए गए।

विशेषज्ञों का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य को केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन बनाना चाहिए। स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को शामिल करना, परिवारों में संवाद बढ़ाना और मीडिया में इस विषय पर खुलकर चर्चा करना जरूरी है। योग, ध्यान, नियमित व्यायाम और प्रकृति के संपर्क में रहना मानसिक संतुलन बनाए रखने के सरल उपाय हैं। सबसे आवश्यक है सुनना और समझना – क्योंकि कई बार किसी व्यक्ति की बात ध्यानपूर्वक सुन लेना ही उपचार की पहली सीढ़ी बन जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य के बिना कोई भी समाज वास्तव में स्वस्थ नहीं हो सकता। यह बात आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। भारत विकास के मार्ग पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अगर नागरिक मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं तो यह विकास अधूरा रहेगा। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही परिवार, समाज और राष्ट्र को सशक्त बना सकता है।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

हाड़ौती के टूरिज्म को डेवलप करने के लिए बनाई डॉक्युमेंट्री, हाड़ौती के हिडन स्पॉट दिखाए

कोटा, । राज्य सरकार की मदद से कोटा व्यापार महासंघ व होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान द्वारा 2 से 4 जनवरी के बीच ट्रेवल मार्ट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए डॉक्यूमेंट्री बनाई गई, जिसमें कोटा के टूरिस्ट स्पॉट का प्रमोशन किया जा रहा है। फेडरेशन के संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री में हिडन टूरिस्ट पैलेस भी दिखाए गए हैं जिन्हें हाड़ौती के अधिकांश लोगों ने नहीं देखा है। 28 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में 60 से ज्यादा पर्यटन स्थल दर्शाए गऐं। स्मॉल स्केल इंडस्ट्री एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गोविंद राम मित्तल ने कहा कि हमारी कोशिश है कि दूसरे देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों को भी बुलाऐं। उनके जरिए हाड़ौती के पर्यटन स्थलों की पहुंच दूसरे देशों तक जाऐं। कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन ने कहा कि बूंदी, बारां, कोटा व झालावाड़ में कई टूरिस्ट स्पॉट है। टूरिस्ट चार–पांच दिन हाड़ौती में बीता सकता है जबकि सवाई माधोपुर में सेंचुरी एक जगह है, वहां दो दिन ही रुकता है। हाड़ौती में चम्बल सफारी, टाईगर रिजर्व, रामगढ़ क्रेटर, गरड़िया महादेव, बूंदी किला, शेरगढ़, गागरोन किला सहित कई दर्शनीय स्थल शामिल हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 17 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र मंगलवार प्रात: 5:02 तक, प्रीति योग प्रात: 7:23 तक, गर करण सायं 6:00 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:35 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में। आज सोम प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:12 तक, शुभ 9:32 से 10:52 तक, चर 1:32 से 2:52 तक, लाभ–अमृत 2:52 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:52, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

सिंह
आर्थिक वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आज घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। शुभ–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

संभाग स्तरीय शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू

अनूपगढ़, (कासं)। महाराजा गंगासिंह दशहरा मैदान में संभाग स्तरीय शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बीकानेर संभाग के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर और चूरू जिले की कुल 25 टीमों ने भाग लिया।

आयोजक कमेटी के अध्यक्ष सन्नी धायल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच श्रीगंगानगर जिले की पीर कामड़िया और मिर्जेवाला के बीच खेला गया। इस मैच को पीर कामड़िया ने 11-6 से जीता। उद्घाटन कार्यक्रम में भारतीय शूटिंग वॉलीबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुरेन्द्र सहारण सहित कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष प्रियंका बैलान ने सभी खिलाड़ियों से खेल को खेल की भावना से खेलने की अपील की।

आयोजक कमेटी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अनूपगढ़ क्षेत्र के युवाओं को नशे से बचाना है। कमेटी के अध्यक्ष सन्नी धायल ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 75 मैच आयोजित किए जायेंगे। दोपहर 3 बजे तक 17 मैच खेले जा चुके थे। किशनपुरा ने कीकरावाली को हराया। भादवावाला ने अनूपगढ़ को, मिर्जेवाला ने संगरिया को, लिखमेवाला ने घडसाना को और 61 एफ की टीम ने बांडा को हराकर जीत दर्ज की। मिर्जेवाला ने लिखमेवाला को भी पराजित किया। कुलदीप गोदारा ने ग्राउंड नम्बर 2 के परिणाम बताए। पीर कामड़िया ने 54 एफ को, 19 जीडी ने रावला को, 54 एफ ने 19 जीडी को और रावला ने मोखमवाला को हराया।

गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाएं : नम्रता वृष्णि

बीकानेर,(कासं)। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत अब पूरा ध्यान गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन पर लगाया जा रहा है। रविवार को छुट्टी के दिन भी कलेक्ट्रेट में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य जोर शोर से चलता नजर आया।

वहीं जिले की अन्य तहसीलों में भी

- **जिला निर्वाचन अधिकारी ने समीक्षा कर गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य का निरीक्षण भी किया**

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

सुपरवाइजर और बीएलओ दिनभर गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन के कार्य में जुटे रहे। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने रविवार को कलेक्ट्रेट में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को लेकर अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक मनीष समेत अन्य निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को भरे हुए प्रपत्रों को डिजिटल स्वरूप में दर्ज करने की प्रक्रिया को बढ़ाने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी वृष्णि ने कहा कि वर्तमान में जिस गति से डिजिटाइजेशन का कार्य चल रहा है। उसी गति से अगर काम हुआ तो समय पर इसे पूरा नहीं कर पायेंगे। लिहाजा डिजिटाइजेशन की गति को हर हाल में बढ़ाया जाए। विदित है कि जिले में रविवार दोपहर तक 23.4 फीसदी गणना फॉर्म ईसीआईनेट पर अपलोड किए जा चुके हैं। जिसमें से खाजूवाला में सर्वाधिक 30.22 फीसदी गणना फार्म अपलोड किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी वृष्णि ने कलेक्ट्रेट में निर्वाचन व पेंशनर कार्यालय में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 अंतर्गत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य का निरीक्षण भी किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे ऑनलाइन गणना फॉर्म भरने के विकल्प का अधिकाधिक उपयोग करें। एसआईआर फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले चुनाव आयोग की मतदाता सेवा पोर्टल से लॉग इन करें और फिर पर क्लिक करें। अगले पेज पर अपना राज्य सलेक्ट करें और नंबर डालकर अपना डिटेल सर्च करें।

इसके बाद आपके सामने आपकी वोटर लिस्ट और बीएलओ की जानकारी सामने आ जायेगी। नाम, नंबर, सीरियल नंबर, पार्ट नंबर, विधानसभा/लोकसभा और राज्य जैसी पहले से भरी जानकारी चैक कर लें। इसके बाद अपना मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी पर क्लिक करें। ऑनलाइन गणना फॉर्म भरने के लिए आपका मोबाइल नंबर आपके वोटर कार्ड से लिंक होना जरूरी है।

अगर मोबाइल नंबर लिंक नहीं है तो पहले आपको ऑनलाइन फॉर्म 8 भरकर अपना मोबाइल नंबर लिंक करना होगा। इसके बाद अपनी पर्सनल डिटेल वेरीफाई करने के लिए आपके पास 3 ऑप्शन होंगे। पहला ऑप्शन- मेरा नाम पिछले चुनाव की मतदाता सूची में मौजूद है।

दूसरा ऑप्शन- माता-पिता का नाम (पिता, माता, दादा, दादी) पिछले चुनाव की मतदाता सूची में मौजूद है। तीसरा ऑप्शन- पिछले चुनाव की मतदाता सूची में न तो मेरा नाम है और न ही मेरे माता-पिता का नाम है। इनमें से एक ऑप्शन सलेक्ट करें और खुद को वेरिफाई करें।

गोदारा आज विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे

बीकानेर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा सोमवार को लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र को 5 करोड़ 28 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर ग्रामीणों को बड़ी सौगात देंगे।

गोदारा प्रात: 10 बजे तेजरासर में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में 7 लाख रूपए की लागत से बने टीनशेड तथा गांव में 29.67 लाख रूपए की लागत से बने ट्यूबवैल का लोकार्पण करेंगे। बेलासर में दोपहर 12 बजे राजकीय प्रवेशिका वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में 59.99 लाख रूपए की लागत से बने तीन कक्षा कक्षों का लोकार्पण करेंगे। दोपहर 1 बजे सींथल के अम्बेडकर वाचनालय में लाइब्रेरी में 2 लाख रूपए की लागत से उपलब्ध करवाये गए फर्नीचर कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

दोपहर 3:00 बजे रामसर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 90 लाख रूपए की लागत से बने आठ कक्षा कक्षों, 75 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 25 लाख रूपए की लागत से बनने वाले पुस्तकालय भवन का शिलान्यास करेंगे। गोदारा रामसर में कस्बो की ढाणी से मूंडसर मार्ग तक बनी सड़क, राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में 29.60 लाख रूपए की लागत से बने दो कक्षा कक्षों, 28.29 लाख रूपए की लागत से तैयार ट्यूबवैल, 5.75 लाख रूपए की लागत से गांव में खेल मैदान में ट्रैक और ओपन जिम, 2.76 लाख रूपए की लागत से पटीर मेघवाल श्मशान भूमि की चारदीवारी को ऊपर लेना, जल कुंड और मुख्य द्वार का लोकार्पण करेंगे।

सार-समाचार

बिरसा मुंडा की जयंती मनाई

मीणा समाज अधिकारी कर्मचारी, संयुक्त महासंघ ने बिरसा मुंडा की जयंती मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बीकानेर, (कासं)। धरती आबा,भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती को मीणा समाज अधिकारी कर्मचारी, संयुक्त महासंघ, समस्त विभाग बीकानेर द्वारा मुख्य डाकघर के पास उनकी फोटो पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि सभा,भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करके जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज, उनकी संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। स्वतंत्रता संग्राम में भी उनका योगदान अद्वितीय रहा है। मुंडा केवल एक व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक प्रेरणा हैं, जो आज भी आदिवासी समाज को एकजुट रहने और अपनी पहचान बचाए रखने की शक्ति प्रदान करता हैं। सलावद ने युवाओं से आव्हान किया कि बिरसा मुंडा की जयंती पर सभी यह संकल्प लें कि वे उनके विचारों को जीवित रखेंगे और अपने धर्म,संस्कृति तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी के लिए यह जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है कि वे अपने इतिहास और अपने महान नायकों को न भूलें। बिरसा मुंडा के आदर्श सदैव समाज एवं हमें मार्गदर्शन देते रहेंगे। महासंघ के जिलाध्यक्ष जयपाल मीणा ने कहा कि जनजातीय समाज ने जल,जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय की लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नागालैंड के खोनोमा गांव में अपने हालिया प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि एक छोटे से जनजातीय गांव ने अंग्रेजों के खिलाफ साहसिक संघर्ष कर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। इस अवसर पर महासंघ के जिलाध्यक्ष जयपाल मीणा, शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, जिला महामंत्री मनीष काचरिया, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष भीम सिंह मीना, जिला सचिव ताराचन्द मीणा, जितेंद्र मीणा, राजेंद्र प्रसाद मीणा, तेजाराम मेहरा, शम्भु सिंह, रामचंद्र, मुकेश प्रजापत, राजेश नायक, रमेश साध, मानराज भील, संदीप कुमार, अनिल कुमार जैन, बाबूलाल आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बजरंग धोरा पुजारी का सम्मान किया

मित्र एकता सेवा समिति ने बजरंग धोरा हनुमान मंदिर पुजारी आशीष दाधिच का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। मित्र एकता सेवा समिति द्वारा रविवार को बीकानेर शहर के पूगल रोड़ स्थित विश्व प्रसिद्ध बजरंग धोरा धाम हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित आशीष दाधीच का सामाजिक सरोकार कार्यों में हमेशा अग्रणी रहकर कार्य करने पर उनका स्वागत सम्मान किया। समिति के सुनील दत्त नागल ने बताया कि स्वागत सम्मान के दौरान पंडित आशीष दाधीच का सांफा, दुपट्टा, शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इसके तहत मित्र एकता सेवा समिति द्वारा अभिनंदन पत्र साथ में उनको दिया गया। इस दौरान समिति के जिला अध्यक्ष सुशील यादव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन.डी.कादरी, अनिल पाहुजा, दिलीप गुप्ता, सैय्यद अख्तर, भवानी आचार्य, बालिका हनुश्री गुप्ता, के.कुमार, आहूजा, शामप्रकाश जैन, कमलकांत सोनी, रामकिशोर यादव, विजयशंकर गहलोत, शांति देवी चौहान, विमल देवड़ा, खनक देवड़ा, शाकिर हुसैन चौपदार एवं मंदिर के वरिष्ठ पुजारी मनमोहन दाधीच, महावीर शर्मा व उमाशंकर दाधीच उपस्थित रहे। मंदिर पुजारी के अनुसार आज सवामणी का बाबे का प्रसाद रखा गया। इससे पहले मित्र एकता सेवा समिति द्वारा समय समय पर सामाजिक सरोकार कार्यों से जुड़े समाज सेवियों एवं अन्य अच्छे कार्यों से जुड़े लोगों का सम्मान किया जाता रहा है।

पूगल कॉजेल में स्थायी स्टाफ नहीं

पूगल, (कासं)। पूगल स्थित राजकीय महाविद्यालय को शुरू हुए दो वर्ष से अधिक समय हो चुका है, लेकिन आज तक इसमें मूलभूत सुविधाओं का इंतजार है। कॉलेज में आधी-अधूरी चारदीवारी, पीने के पानी का अभाव, पुस्तकालय और खेल मैदान जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है, जिससे विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इस महाविद्यालय के लिए लगभग 8 बीघा जमीन आवंटित कर कॉलेज भवन का निर्माण करवाया गया था। हालांकि निर्माण के बाद भी कई महत्वपूर्ण सुविधाएं अधूरी रह गई है। महाविद्यालय में तीन सेमेस्टर में कुल 280 विद्यार्थी नामांकित हैं। राज्य सरकार की विद्या संबल योजना के तहत यहां अलग-अलग विषयों के सात अतिथि शिक्षक नियुक्त हैं, जिन्हें प्रति कालांश 800 रूपए का भुगतान किया जाता है। महाविद्यालय में स्थायी रूप से एक भी कर्मचारी कार्यरत नहीं है। महाविद्यालय में कार्यरत अतिथि शिक्षक डॉ. युसूफ निर्वाण ने बताया कि सभी शिक्षक एवं कर्मचारी अस्थायी तौर पर विद्या संबल योजना के तहत नियुक्त हैं।

दानदाताओं के सहयोग से बदल रही कल्याण भूमि की सूरत

सूरतगढ़, (कासं)। मुख्य कल्याण भूमि सेवा समिति की बैठक रविवार को अध्यक्ष राजेन्द्र उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पिछले तीन माह के दौरान जन सहयोग से संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और दानदाताओं द्वारा किए गए योगदान पर चर्चा के साथ आभार व्यक्त किया गया।

समिति ने कहा कि कल्याण भूमि को एक आदर्श अंतिम संस्कार स्थल बनाने के लिए सभी का संयुक्त प्रयास सराहनीय है। बैठक में बताया गया कि समाजसेवी भामाशाह विजय उर्फ लड्डू मुद्गल ने मुख्य द्वार का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया है और जल्द ही द्वार पर पत्थर लगाने का काम भी प्रारंभ हो जायेगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लड्डू मुद्गल द्वारा परिसर में 10 सीसीटीवी कैमरे भी लगवाये गए हैं। इसके अलावा, जन सहयोग से

- **आदर्श अंतिम संस्कार स्थल बनाने की तैयारी तेज, नए शेड व पार्किंग पर सहमति**

चारदीवारी निर्माण का शिलान्यास हो चुका है और इसे दो माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चारदीवारी के लिए आवश्यक पूरा सीमेंट समाजसेवी विशाल गुप्ता देंगे। जबकि 106 टन बजरी पंचायत समिति के डायरेक्टर एवं समाजसेवी हेतराम मील ने उपलब्ध कराई है।

शेड में सुविधाएं बढ़ाने के लिए जैन तेरापंथ श्वेतांबर संघ के विकास डागा ने 13 पंखे दान किए, जिन्हें तुरंत स्थापित कर दिया गया। वहीं, मारवाड़ी युवा मंच ने नारियल तोड़ने की मशीन प्रदान की, जो दैनिक कार्यों में उपयोगी साबित होगी। श्री फाउंडेशन ट्रस्ट सूरतगढ़ द्वारा चारदीवारी निर्माण के लिए लगभग 16,000 ईंटों का दान दिया गया, जिसके लिए समिति ने विशेष आभार व्यक्त किया। जन सहभागी योजना के तहत नगर पालिका में जमा 2,69,403 रूपए योजना बंद होने के कारण वापस लौट गए, जिससे इस राशि से कोई कार्य नहीं हो सका।

अध्यक्ष राजेन्द्र उपाध्याय ने आगामी विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वसम्मति से मुख्य द्वार के पीछे बने लकड़ी के शेड को हटाकर अंदरूनी शेड के समानांतर नया शेड बनाने का निर्णय लिया गया है। अंतिम संस्कार के दौरान सड़क अवरूद्ध होने की समस्या को देखते हुए परिसर में पार्किंग स्थल विकसित करने पर भी सहमति बनी।

आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख

कक्कू, (निसं)। कक्कू कस्बे में रविवार सुबह कक्कू की पश्चिम रोही स्थित एक रहवासी ढाणी में भीषण आग लग गई। इस घटना में ओमप्रकाश मेघवाल के परिवार का लाखों रूपए का सामान जलकर राख हो गया।

ओमप्रकाश मेघवाल ने बताया कि वे और उनकी पत्नी सुबह खेत में काम कर रहे थे। तभी अचानक उनकी पत्नी ने झोंपड़े से आग की लपटें निकलते देखी। उनकी चीख-पुकार सुनकर पड़ौसी भागकर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि सब कुछ जलकर तबाह हो गया। ओमप्रकाश के अनुसार आग में दो झोंपड़े, एक छपरा, 7 क्विंटल मोठ-ग्वार, एक क्विंटल मूंग, 50 किलो बाजरा जल गया। वहीं मंगलसूत्र, कंदोरा, दो पायल, 90,000 रूपए नकद, सोने के जेवर, कपड़े, रजाई-बिस्तर और सामान जलकर खाक हो गया।

सींथल में आठ दिन से पेयजल सप्लाई बंद

नापासर, (कासं)। सींथल कस्बे में पेयजल संकट दिनों दिन गहराता जा रहा है। मैसर्स मांगीलाल बिश्नोई कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा संचालित दो ट्यूबवैल पिछले आठ दिनों से बंद पड़े हैं, जिससे कस्बे के सैकड़ों परिवार पानी के लिए परेशान हैं।

- **परेशान सरपंच प्रतिनिधि ने ताला लगाकर चाबी जलदाय विभाग को सौंपी**

हालात से क्षुब्ध होकर दोपहर सरपंच प्रतिनिधि एडवोकेट गणेशदान बीठू ने दोनों ट्यूबवैलों पर ताला लगाकर उनकी चाबियां नापासर जलदाय विभाग को सौंप दी। गणेशदान बीठू ने बताया कि सींथल में लगातार आठ दिनों से जलापूर्ति ठप है, लेकिन ठेकेदार सुनवाई नहीं कर रहा है। जलदाय विभाग की ओर से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

उन्होंने बताया कि नए ट्यूबवैलों के संचालन की जिम्मेदारी ठेकेदार को 4 फरवरी 2022 को दी गई थी। सरकारी अभिलेखों के अनुसार ठेकेदार की पांच वर्षीय गारंटी 3 फरवरी, 2027 तक लागू है। इसके बावजूद ठेकेदार जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है। वहीं मैसर्स मांगीलाल बिश्नोई कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुकेश ने कहा कि ट्यूबवैल चालू है और किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उधर जलदाय विभाग भी स्थिति स्पष्ट नहीं होने की बात कह रहा है। सहायक अभियंता बाबूलाल ने बताया कि उन्हें ज्वाइन किए कुछ दिन ही हुए हैं। कंपनी की फाइल बीकानेर कार्यालय में खोजी जा रही है। उन्होंने कहा फाइल उपलब्ध होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि ठेकेदार की जिम्मेदारी समाप्त हुई या नहीं।

अवैध सिलिका सैंड से भरा एक डम्पर जब्त

बज्जू, (कासं)। यहां अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ देर शाम खनिज विभाग और बज्जू पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। इस दौरान जिप्सम से भरा एक ओवरलोड डम्पर और अवैध सिलिका सैंड से भरा एक डम्पर जब्त किया गया। अवैध सिलिका सैंड वाले डम्पर पर 1.44 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया।

खनि अभियंता अनिरूद्ध सिंह भाटी ने बताया कि यह कार्रवाई बज्जू उपखण्ड अधिकारी सांवरमल रैगर के 14 नवम्बर को जारी निर्देशों के बाद की गई। एसडीएम ने अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों पर सख्ती से अंकुश लगाने के आदेश दिए थे। कार्रवाई के दौरान रणजीतपुरा की ओर से आ रहे एक जिप्सम भरे डम्पर को ओवरलोड

- **खनिज विभाग और बज्जू पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की, 1.44 लाख का जुर्माना लगाया**

पाए जाने पर जब्त कर परिवहन विभाग को सूचित किया गया। इसी तरह कोलायत की ओर से आ रहे एक डम्पर में अवैध सिलिका सैंड मिलने पर उसे भी जब्त कर 1.44 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

भाटी ने बताया कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

एम्बुलेंस में गूंजी किलकारी

जसरासर, (निसं)। जसरासर-बीकानेर मार्ग पर एक 108 एम्बुलेंस में एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। जसरासर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर की गई गर्भवती का प्रसव रास्ते में ही हो गया।

यह घटना रात 2:15 बजे की है। लिखमादेसर गांव की एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा के चलते जसरासर सीएचसी से बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया था। यह मल्टी डिलीवरी केस था और बच्चा उल्टा था। रास्ते में जसरासर-बीकानेर रोड पर सागर के पास महिला की प्रसव पीड़ा अत्यधिक बढ़ गई। एम्बुलेंस में मौजूद नर्सिंग स्टाफ (ईएमटी) रविशंकर और पायलट सुनील कुमार सैनी ने सूझबूझ दिखाते हुए एम्बुलेंस में ही प्रसव कराया।

श्रीगंगानगर में बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

श्रीगंगानगर, (कासं)। हिमालय की ओर से आने बर्फीली हवाएं अब श्रीगंगानगर को कंपकंपा रही है। उत्तरी हवाओं का जोर बढ़ने से जिले में ठंड का कहर लगातार बढ़ रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले तीन-चार दिनों में तापमान में 3 से 4 डिग्री की भारी गिरावट आयेगी। रातें पहले से ही कड़ाके की हो चुकी हैं। कृषि अनुसंधान केन्द्र श्रीगंगानगर पर आज सुबह का न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम 10.7 डिग्री रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 30.5 और न्यूनतम 10.6

- **चार दिन में और बढ़ेगी सर्दी, 7 दिन तक ड्राई रहेगा मौसम**
- **गंगानगर प्रदेश का पश्चिमी-उत्तरी कोना है, इसलिए उत्तरी हवाओं का यहां सीधा असर पड़ता है**

डिग्री रिकार्ड किया गया था। दिन में सुहावनी धूप तो रात में ठंड पढ़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार- हिमालय क्षेत्र में मौसम पलटा खा रहा है। वहां बर्फबारी शुरू हो चुकी है, जिससे उत्तरी हवाएं तेज हो गई हैं। ये हवाएं उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले रही हैं। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित पश्चिमी राजस्थान के जिलों में ठंड का असर सबसे ज्यादा पड़ेगा। अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की और गिरावट की संभावना है। प्रदेश में मौसम ड्राई बना हुआ है और अगले एक सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा। श्रीगंगानगर प्रदेश का पश्चिमी-उत्तरी कोना है। इसलिए उत्तरी हवाओं का सीधा असर पड़ता है। साथ ही सिंचित क्षेत्र होने से नमी का स्तर अधिक रहता है। उत्तरी हवाएं और नमी के कारण यहां अधिक ठंड पड़ती है।

संस्कारों और अस्तित्व की रक्षा स्वयं का दायित्व : विमला डूंकवाल

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय द्वारा रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरसागर बीकानेर में रानी अबक्का बाई महिला विचार गोष्ठी, संवाद कार्यक्रम तथा संगठनात्मक चर्चा तीन सत्रों में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय कोटा की कुलगुरू विमला डूंकवाल ने कहा कि रानी अब्बक्का का जीवन न केवल हमें यह बताता है कि उन्होंने युद्ध में किस तरह विदेशियों को पराजित किया बल्कि हमें यह भी बताता है कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं है। हमारे संस्कारों और हमारे अस्तित्व की रक्षा हमारी स्वयं की जिम्मेदारी भी है। उनके संघर्ष और बलिदान ने यह सिद्ध कर दिया कि किसी भी राज्य की स्वतंत्रता और समृद्धि तभी सुरक्षित रह सकती है जब हम उसकी संस्कृति, समाज और समानता की रक्षा के लिए कृत संकल्पित हों। कुलगुरू

शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की ओर से आयोजित महिला विचार गोष्ठी को कृषि विश्वविद्यालय कोटा की कुलगुरू विमला डूंकवाल ने संबोधित किया।

डूंकवाल ने कहा कि स्वतंत्रता का इतिहास सदैव रानी का ऋणी रहेगा। शताब्दियों तक भारतीय रानी अब्बका बाई समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी और संदेश देती रहेगी कि सच्ची स्वतंत्रता सिर्फ सत्ता प्राप्ति का नाम नहीं है बल्कि यह समर्पण और कर्तव्य का प्रतीक है। अध्यक्षता करते हुए श्रीमती मीरा वर्मा जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि रानी का जीवन भारत के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है जो हमें साहस और स्वाभिमान का संदेश देता है। यही कारण है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने उल्लाल की रानी अब्बक्का को कक्षा 8 के इतिहास विषय का हिस्सा बनाया है। उनके संघर्ष की गाथा भारतीय समाज के लिए अनमोल धरोहर है। दूसरे सत्र की मुख्य वक्ता ममता शर्मा विभागाध्यक्ष तकनीकी विश्वविद्यालय

- **रानी अबक्का बाई महिला विचार गोष्ठी आयोजित**

बीकानेर ने कहा कि शिक्षक अध्यापन के दौरान समय-समय पर विद्यार्थियों को महापुरूष तथा अपने गौरवशाली इतिहास आदि के विषय पर चर्चा करते रहना चाहिए ताकि विद्यार्थियों में उनके जैसा प्रबल बनने की भावना प्रबल हो और उनसे प्रेरणा मिले। सत्र की अध्यक्षता करते हुए रचना गुप्ता प्राचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पवनपुरी दक्षिण विस्तार बीकानेर ने कहा कि राष्ट्रीय हित में होने वाले इस शैक्षिक उत्थान एवं श्रेष्ठ जीवन चरित्र निर्माण पर मंथन रूपी आज के महायज्ञ में जो आहुति शिक्षिकाओं ने दी है वह निश्चित रूप से भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगी।

बी.के.शिवानी दीदी का कार्यक्रम 14 दिसम्बर को

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय-अतंर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आध्यात्मिक वक्ता बी.के. शिवानी रविवार 14 दिसम्बर को जयपुर जोधपुर बाईपास पर स्थित श्री गणेशम् रिसोर्ट में शाम चार बजे 'नया संकल्प, नया जीवन ' विषय पर विशेष व्याख्यान देंगी।

इसके लिए क्यू आर कोड के माध्यम से प्रतिनिधि सैकड़ों लोग पंजीयन करवा रहे हैं। अब तक बीकानेर नगर के साथ राजस्थान व देश के अनेक हिस्सों के करीब 2000 से अधिक लोगों ने पंजीयन करवाया है। कार्यक्रम स्थल पर पांच हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संभागीय प्रभारी बी. के. कमल ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध चिंतक व आध्यात्मिक विचारक बी.के. शिवानी दीदी को देखने उनके विचारों को सुनने के लिए प्रबुद्धजनों के साथ आम लोगों में उत्साह है।

मनुष्य अपनी शक्ति को पहचानें : मुनि कमल

बीकानेर, (कासं)। उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार स्वामी ने आज तेरापंथ भवन गंगाशहर में प्रवचन करते हुए कहा कि व्यक्ति अपनी शक्ति को पहचानें। मनुष्य में अपार शक्ति होती है। शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक शक्ति केवल मात्र मनुष्य में होती है। आध्यात्मिक ज्ञान मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है। मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य का जीवन व्याधि आधि और उपाधि इन तीन दिशाओं में चल रहा है।

कभी शारीरिक कष्ट कभी मानसिक कष्ट और कभी भावात्मक कष्ट। कभी-कभी तीनों एक साथ। कष्ट होना अस्वाभाविक नहीं है। प्राकृतिक और सामाजिक प्रभावों के बीच जीने वाला व्यक्ति कष्ट से मुक्त नहीं रह सकता पर मनुष्य नहीं चाहता कि कष्ट हो। वह ऐसी अवस्था में रहना चाहता है जो कष्टों से अतीत हो।

वह अवस्था है समाधि। उस अवस्था में मानसिक और भावात्मक कष्ट नहीं होते। शारीरिक कष्ट प्राय नहीं होते और कभी हो भी जाता है तो उसे शांत भाव से सहने की शक्ति जाग जाती है। इसलिए आत्मा की समाधि तभी हो सकती है जब हम प्रतिदिन अपने कर्मों का क्षय करने का प्रयास करते रहें। चित की निर्मलता पवित्रता से आत्मा भावित होती है।

अत: हमें प्रतिदिन जागरूकता से कर्म निर्जरा की संवर की साधना करते रहना चाहिए। आचार्य भिक्षु ने अपने पाली चतुर्मास में अनेक कष्टों को सहन किया लेकिन उन्होंने भगवान् महावीर के दर्शन को सरल भाषा में जनता के बीच रखने में सफल हुए। भगवान महावीर के दर्शन को विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में सफल हुए। उन्हें चातुर्मास के लिए मकान देने से मना किया गया। लेकिन वह अपने सिद्धांतों पर अपनी विचारधारा पर अनवरत कार्य करते रहे। भगवान महावीर की वाणी को आचार्य भिक्षु ने बहुत सहज और सरल भाषा में जनता को प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त

फॉर्म भरने पर जोर

रतनगढ़(निसं)शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय रतनगढ़ में विधायक पूसाराम गोदारा के नेतृत्व में प्रभारी ओमप्रकाश भादू ने बीएलए की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में शहर व देहात से बडी संख्या में बीएलए तथा कांठोस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने प्रभारी भादू एवं विधायक गोदारा का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया।इस अवसर पर विधायक गोदारा ने कहा कि सभी बीएलए एवं कार्यकर्ताओं को एसआईआर हेतु फॉर्म अनिवार्य रूप से भरना है, ताकि एक भी मतदाता छूटने न पाए। उन्होंने बताया कि फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित है। विधायक ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।प्रभारी ओमप्रकाश भादू ने बीएलए एवं कांठोस कार्यकर्ताओं को फॉर्म भरने की संपूर्ण प्रक्रिया विस्तार से समझाई।

फायरिंग में युवक की हत्या

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के देबारी क्षेत्र में रविवार शाम एक युवक पर फायरिंग कर हत्या कर दी गई। मामले के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। रविवार सांय प्रतापनगर थाना क्षैत्र देबारी के समीप आपसी रंजिश के चलते कमलोद देबारी निवासी जिगर जोशी ने फायरिंग कर देबारी निवासी प्रतापसिंह देवड़ा पुत्र उदयसिंह की गोली मार कर हत्या कर फरार हो गया। इसका पता चलने पर परिजन प्रतापसिंह को उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी मे रखवाया। घटना की सूचना पर प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की।

युवक पर फायरिंग कर हत्या

उदयपुर । उदयपुर शहर के देबारी क्षेत्र में रविवार शाम एक युवक पर फायरिंग कर हत्या कर दी गई। मामले के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सांय प्रतापनगर थाना क्षैत्र देबारी के समीप आपसी रंजिश के चलते कमलोद देबारी निवासी जिगर जोशी ने फायरिंग कर देबारी निवासी प्रतापसिंह देवड़ा पुत्र उदयसिंह की गोली मार कर हत्या कर फरार हो गया। इसका पता चलने पर परिजन प्रतापसिंह को उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी मे रखवाया। घटना की सूचना पर प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की।

मिट्टी के गुबार से लोग परेशान

सुजानगढ़। क्षेत्र में अतिवृष्टि के बाद शहर की सडकें बदहाल है। शीतला माता मंदिर से फतेहपुरिया भवन जाने वाला मार्ग जर्जर होने के कारण वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। शेर बाग के सामने उखडी हुई सड़क की स्थिति पर से गुजरने वाले वाहनों के कारण धूल का गुबार छाया हुआ रहता है। जिस कारण आस पास के लोगों के खांसी की गंभीर दिक्कत पैदा हो गई है। ठरडा, सोना देवी सेठिया कॉलेज, सांसी बस्ती जाने वाले लोग टूटी सडक के कारण अपना रास्ता ही बदल चुके है। मोहित बोचीवाल ने बताया कि सडक को लेकर नगरपरिषद द्वारा किसी प्रकार की सुध नहीं ली गई है। जबकि नगरपरिषद के अधिकारी इसी सडक से गुजरते है। लेकिन बिना किसी धरने, प्रदर्शन के अधिकारी सड़क को लेकर सुध लेने को तैयार नहीं है। वीर हनुमान मंदिर जाने वाले भक्त विट्ठल गौड़ ने बताया कि सडक की दयनीय स्थिति से शहर वासी परेशान है। सडक से निकली गिट्टी से वाहन चालकों के टायर फट रहे है। कई दफा लोगों की बाइक, बड़ी गाड़ियों के टायर पेंचर हो चुके है।

कार्मिकों ने लिया संकल्प

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी। राज्य सरकार एवं निदेशालय के निर्देशानुसार वंदे मातरम् 150 एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिला चिकित्सालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पीएमओ डॉ अटल भास्कर ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के चिकित्सा अधिकारीयो एवं कार्मिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित कार्मिकों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गायन किया गया तथा स्वदेशी अपनाने एवं प्रोत्साहन का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभक्ति, स्वदेशी विचारधारा एवं सांस्कृतिक गौरव को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

उदयपुर में भूमाफिया के प्रभाव में आकर झीलों का गलत सीमांकन मंजूर

उदयपुर । झील प्रेमियों के रविवार को हुए स्वच्छता श्रमदान व संवाद कार्यक्रम में राज्य सरकार से आग्रह किया गया कि वो झीलों की मूल सीमाओं को बहाल करे।

झील संरक्षण समिति से जुडे डॉ अनिल मेहता ने कहा कि राजस्थान झील (संरक्षण एवं विकास) प्राधिकरण अधिनियम, 2015 के अनुसार झील सीमा विगत पचास वर्षों के अधिकतम जल मग्न क्षेत्र के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए। लेकिन इस अधिनियम के तहत ही स्थापित जिला स्तरीय झील संवर्धन एवं झील विकास समितियों ने भूमाफिया के प्रभाव में आकर झीलों का गलत सीमांकन स्वीकृत किया। उदयपुर के संदर्भ में मेहता ने कहा कि वर्ष 1996 में तत्कालीन एस डी ओ गिर्वा के संयोजकत्व में सिंचाई विभाग (जल संसाधन विभाग), यू आई टी, निगम ने झीलों का अधिकतम भराव तल पर सीमांकन किया। इस सीमांकन का नक्शा बना जिस पर सभी अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए।

झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेज शंकर पालीवाल ने आरोप लगाया कि होटलों, रिसोर्टों व् भूमाफिया के हित में झीलों को विधिवत तरीके से छोटा किया गया है। वर्ष 1998 में जो जमीन सरकार स्वयं पेटे में मानती थी, आज पेटे से बाहर है। ऐसी जमीनों पर मिट्टी का भारी भराव कर जमीन ऊपर उठा ली गई है। अब झील में खूब वर्षा पानी आने पर भी यह जमीने झील से बाहर ही नजर आती है । पालीवाल ने कहा कि हम सभी यह भी भूल रहे है कि पीछोला व फतेह सागर पीने के पानी के स्त्रोत के रूप में आरक्षित है। लेकिन, पर्यटन विकास के नाम पर इनके किनारों पर व्यावसायिक गतिविधियां बढाई जा रही है। यह पेयजल गुणवत्ता के लिए गंभीर खतरा है। सामाजिक कार्यकर्ता नंद किशोर शर्मा ने कहा कि झीलों के किनारे खत्म होते जा रहे हैं। झील किनारे की पट्टी किसी भी झील को जिंदा रखने के लिए जरूरी है। युवा पर्यावरण विद कुशल रावल ने कहा कि अब देशी प्रवासी। पक्षियों के बैठने, आवास व प्रजनन के लिए कोई जगह नहीं बची है । झीलें महत्वपूर्ण वेटलैंड है, लेकिन हरित न्यायालय के निर्देशों के बावजूद इनके जोन ऑफ इंफ्लूएंस का निर्धारण नहीं किया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिक ध्रुपद सिंह ने अफसोस जताया कि झीलों के सम्बन्ध में विविध न्यायालयी आदेशों की निरंतर अवेहलना की जा रही है। यह अराजकता की स्थिति है। संवाद से पूर्व फतेहसागर उपला तालाब से कचरा व गंदगी को हटाया गया।

उदयपुर में झील सरंक्षण समिति ने संवाद के साथ श्रमदान किया ।

- झीलों के सीमांकन पर महत्वपूर्ण तथ्य प्रस्तुत किए

दो गुटों की लड़ाई में युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा तहसील के काला भाटा गांव में रविवार सुबह पुरानी रंजिश के चलते दो पक्ष आमने-सामने आ गए। लाठी-भाटा और धारदार हथियारों से हुए हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों के दो दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का डूंगरपुर जिला अस्पताल में उपचार जारी है। जानकारी अनुसार खेरवाड़ा के धनेला गांव निवासी अंश पुत्र नितिन गमेती, निरंजन पुत्र सोमा भगोरा, मुकेश पुत्र छत्राजी भगोरा, सुरेश पुत्र छत्राजी भगोरा का खेरवाड़ा के काला भाटा गांव निवासी खातू पुत्र हकारा पारगी, सुरेश पुत्र खातू, रामो पुत्र खातू, आकाश पुत्र सुरेश पारगी के परिवार के साथ लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। रविवार सुबह विवाद बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। देखते ही देखते दोनों तरफ से लाठी, भाटा और धारदार हथियारों से हमला शुरू हो गया। हमले में धनेला गांव निवासी अनिल पुत्र सोमा भगोरा की मौके पर ही मौत हो गई। झगड़े में दोनों पक्षों के दो दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। सूचना पर 108 की दो एंबुलेंस पायलट कालूराम, विजय, ईएमटी नितिन और मुकेश घटनास्थल पर पहुंचे।

महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में पेट्रोल-डीजल चोरी

बीकानेर । महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज के आसपास स्थित गांवों में पेट्रोल और डीजल चोरी के मामले में सेना ने काफी सख्ती दिखाई है।

सेना की ओर से पुलिस थानों और सरपंचों को भेजे एक पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि रेंज एरिया में किसी तरह की चोरी पकड़ी गई तो हथियारबंद जवान जवाब देंगे। जरूरत पड़ने पर सेना हथियार का उपयोग कर सकती है। महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज के एडम कमांडेंट ने फिल्ड फायरिंग रेंज क्षेत्र में आने वाले 4 पुलिस थानों को ये पत्र दिया है।

साथ ही आसपास की ग्राम पंचायतों के थानेदारों को भी पत्र दिया है। जिसमें साफ तौर पर लिखा गया है कि पेट्रोल डीजल चोरी की घटनाएं होती है तो सेना के जवान हथियारों का उपयोग कर सकते हैं । पत्र में लिखा है कि सभी ग्राम पंचायत के सरपंचो को अवगत करवाया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में निरन्तर पैट्रोल व डीजल की चोरी की वारदात हो रही है । पता चला है कि पैट्रोल व डीजल की चोरी की वारदात में आस पास के गावों के लोग शामिल है। इन घटनाओ को मध्य नजर रखते हुये समीक्षा बैठक के दौरान यह निणन्य लिया गया है कि रात्री डयूटी के दौरान तैनात संतरी हथियार के साथ होगे। रात्रि के दौरान अनैतिक घटना घटने पर वह हथियार का इस्तेमाल कर सकता है ।

सरपंचों से अनुरोध है कि आप अपने गांव के लोगों को इस पत्र के बारे में अवगत कराये अगर किसी के साथ अप्रिय घटना घटती है तो वह व्यक्ति स्वयं जवाबदेह होगा।

महाजन फील्ड फायरिंग रेज की कोई जवाबदेह नही होगी। इस्ट कैंप ग्राम पंचायत रामसरा, जसवन्तसर, असरासर, गुंसाईणा, बालादेसर, रतनीसर, मनोहरीया, खियाणा, सुलेरा, बढ़ेरण, भीखनेरा, मेघाना, डेलाना बड़ा, लालेरा, ग्राम पंचायत मोखमपुरा, नया खानीसर, नोर्थ कैंप के पास स्थित गांव फुलेजी, श्योनाथपुरा, ग्राम पंचायत पीपासर, ग्राम पंचायत चक जोहड़ ग्राम पंचायत मालेर पंचायत गोपालसर, लालगढ़िया, कुम्भगढिया, आर जे एम राजाना वेस्ट कैंप के पास ग्राम पंचायत खरबारा, ग्राम पंचायत भानसर, 5 सीएम, हिंजरासर, ग्राम पंचायत भोपालपुरा, 6-ग्राम पंचायत बख्तावरपुरा, गोविन्दसर, सुखचैनपुरा साउथ कैंप के पास ग्राम पंचायत महादेव वाली, ग्राम पंचायत रामनगर ग्राम पंचायत किशननगर, गौरीसर, उधर, लूणकरनसर और महाजन पुलिस ने इस तरह का पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि आम जनता को जागरुक किया जा रहा है कि वो सैन्य क्षेत्र में गैर कानूनी गतिविधियां नहीं करें। अगर ऐसा करते हैं तो सेना कार्रवाई कर सकती है।

- सेना ने कहा कि हथियारबंद जवान कर रहे हैं गश्त
- जरूरत पड़ने पर सेना हथियार का उपयोग कर सकती है।

वन्यजीवों का आतंक, ग्रामीण परेशान

डूंगरपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत पालीसोडा के लीला बास क्षेत्र में इन दिनों वन्यजीव का आतंक बढ़ता जा रहा है। शनिवार रात एक वन्य जीव ने गांव के एक बैल का शिकार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और उन्होंने वन विभाग से तुरंत कार्रवाई कर वन्यजीव को पकड़ने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार लीला बास निवासी मणीलाल भोजात का बैल शनिवार शाम पास की पहाड़ी पर चरने गया था। देर रात तक बैल वापस नहीं लौटा तो रविवार सुबह मणीलाल उसे ढूंढने निकला। पास की ही पहाड़ी पर बैल मृत मिला।

बैल की गर्दन पर वन्यजीव के हमले के स्पष्ट निशान थे। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से क्षेत्र में वन्यजीव का आतंक लगातार बढ़ रहा है। रात के समय घरों के बाहर बंधे पशुओं पर हमला कर उन्हें अपना शिकार बना रहा है। मऊदरा और मान का नाल क्षेत्र में भी कई पशुओं का शिकार किया जा चुका है। ग्रामीणों ने स्थानीय वन चौकी से वन्यजीव को जल्द पकड़कर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

सांचोर से पकड़े मौलवी ने कई युवाओं को अफगानिस्तान के ट्रेनिंग कैंप भेजा

जालोर । राजस्थान एटीएस ने सांचोर के मौलवी ओसामा उमर को गिरफ्तार करने के बाद कड़ी पूछताछ के बाद कई अहम सुराग हाथ लगे है। जांच में पता चला है कि युवा लड़कों को जिहाद की ट्रेनिंग के लिए विदेश भेजने की तैयारी में था। वही वह अब तक 4 से अधिक युवाओं को वह दुबई होते हुए अफगानिस्तान के ट्रेनिंग कैंप भेज चुका है। मोलना ओसामा को सांचोर से गिरफ्तार किया गया था।

विशेष दस्तावेजों और जांच रिपोर्ट के अनुसार ओसामा तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से प्रभावित होकर देश में स्लीपर सेल तैयार कर रहा था और लगातार युवाओं को बहला-फुसलाकर कट्टरपंथ की राह पर ले जा रहा था। 8 नवंबर को दुबई से लौटे एक युवक को पूछताछ में पता चला कि उसे अफगानिस्तान बॉर्डर के नजदीक टीटीपी के ट्रेनिंग कैंप में ले जाया गया। वहां उसे हथियार चलाने, विस्फोटक बनाने की ट्रेनिंग दी गई। ओसामा कई युवाओ को जिहाद की ट्रेनिंग के लिए ब्रेन वाश भी कर चुका था। पकडे गये युवाओ में से चार को डी रेडिकलाईजेशन सेंटर भेजा चुका है। गिरफ्तारी से पहले ओसामा ने अपना पूरा मोबाईल डेटा डिलीट कर दिया था। एफएसएल के माध्यम से पूरा मोबाईल डेटा रिकवर कर लिया गया। डेटा रिकवर करने पर मोबाईल में करीब तीन लाख से ज्यादा कटटरपंथी फोटो बरामद किये गये। मोबाईल में करीब चार साल का पूरा डिजिटल कट्टर संदेश का रिकार्ड मिला।

एटीएस के आईजी विकास कुमार के अनुसार ओसामा 8 नवम्बर को दुबाई होते हुए अफगानिस्तान भागने वाला था, जहां टीटीपी के बेस कैप में उसे ट्रेनिंग मिलने वाली थी। ट्रेनिंग के बाद भारत आकर वह अपनी स्लीपर सैल एक्टिवेट करने की फिराक में था। इससे पहले ही 4 नवंबर को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया कि ओसामा लश्कर ए तैयबा आंतकी संगठन के सैफुल्लाह से प्रभावित था तथा उसके वीडियो देखता था। वह सैफुल्लाह के सम्पर्क में होने से युवाओ के ब्रेन वाश करने के लिए वह वायस मैसेज के बातचीत भी करता था। ओसामा करौली, अजमेर, जोधपुर, फलौदी, झुंझुनु व सांचोर की कई मस्जिदों में इमाम के रुप में काम चुका है। पूछताछ में सामने आया कि ओसामा पढ़ाई में बेहद होशियार होने के साथ कई भाषाओं का उसे ज्ञान था, लेकिन 2023 में उसका झुकाव सोशल मीडिया पर सक्रिय कटटरपंथी संगठनों की ओर हो गया। उसी समय उसने टीटीपी के सदस्य को फोलो करना शुरु किया गया और युवाओं को संगठन के साथ जोडने के लिए प्रेरित करने लगा। अवैध रास्तों से नेपाल व दुबई के जरिए अफगानिस्तान के कैंप में भेजा जाता रहा। इसके द्वारा कुछ युवाओं को फर्जी पासपोर्ट व कागजात तक उपलब्ध कराए जाते रहे हैं।

एटीएस टीम को ओमामा के मोबाइल, चैट बैकअप और लैपटॉप से कई अहम एविडेंस मिले हैं जिनमें टीटीपी के निर्देश, लोकेशन और ट्रेनिंग वीडियो भी शामिल हैं। उसके पड़ोसियों के अनुसार, ओसामा पिछले कुछ वर्षों से लोगों से कम मिलता-जुलता था। वह अक्सर पाकिस्तान व अफगानिस्तान की विचारधारा वाले वीडियो देखता था। वहीं एटीएस विदेश भेजे गए सभी युवाओं की पहचान कर रही है। इसके अलावा दुबई व नेपाल रूट पर ट्रैवल एजेंटों की भूमिका की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही इस मामले में अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के कई और नाम सामने आ सकते हैं।

भारतीय नौसेना कार रैली रवाना

उदयपुर । पश्चिमी नौसेना कमान का आउटरीच कार्यक्रम के तहत निकाली गई कार रैली को रविवार सुबह फतहसागर की पाल से संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी ने झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रथम राज नेवल यूनिट के केडेट हाथों में तिरंगा थामे जोश और उत्साह के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम में कमाण्डेन्ट कमाण्डर शकील अहमद, क्षैत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के समस्त प्रशिक्षक एवं खिलाडी उपस्थित रहे।

जिला खेल अधिकारी डॉ महेश पालीवाल ने बताया कि भारतीय नौसेना के 33 कर्मियों द्वारा संचालित 12 वाहनो वाली यह कार रैली मुम्बई स्थित नौसेना डॉकयार्ड के साहसिक कार्या और उसकी चिरस्थायी विरासत का जश्न मनाती है। कमाण्डर अनुज भल्ला के निर्देशन के चल रही इस रैली की शुरूआत 14 नवम्बर से हुई तथा 21 दिनो में यह रैली मुम्बई से शिमला और वापस मुम्बई 5000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी।

मोयला मुस्लिम समाज 14 पट्टी ने समाज विकास व शिक्षा का स्तर बढ़ाने पर जोर दिया

जालोर । जालोर शहर के दरगाह मखदुम पीर मियां मोटन शाह बारला तकीया पर राजस्थान प्रदेश मोयला (मुस्लिम) समाज 14 पट्टी की मीटिंग पीर सय्यद शादाब अली जीलानी की सरपरस्ती में आयोजित की गई।

जिसमें समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की कुरीतियों की एवं समाज विकास एवं शिक्षा के स्तर को सुधारने को लेकर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि पीर शादाब साहब ने समाज के विकास एवं वर्तमान समाज में शिक्षा की स्थिति के बारे में विस्तारपूर्वक सम्बोधित किया। आयोजित माटिंग में राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों से मोयला समाज के लोगों ने भाग और समाज के हित में विभिन्न पहलुओं को लेकर अपनी-अपनी बात रखी। मीटिंग में नाजमि आला मौलाना सत्तार नूरी ने जिला एवं प्रदेश स्तरीय कमेटी गठन को लेकर विचार-विमर्श किये जिस पर उपस्थित सभी ने जिले के साथ प्रदेश स्तरीय संगठन को मजबूती प्रदान करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर सलीम मोयला, आमीन मोयला, फारूकदीन झंवर, रज्जाक खान मोयला, मौलाना शौकत अली, मौलाना ताज मोहम्मद, हाजी मोहम्मद खान, सलीम खान सोढो की ढाणी, आलम खान खेतलावास, अमरूदीन कीरवाला, अमीन खान धवा, हुसैन खान मैत्रीवाडा, हाजी सकुरखान, हनीफ खान उम्मेदाबाद, बरकत खान भाचुन्दा, उर्स खान सरवाणा, बाबू खान मोरसीम, उके खान वरणवा, एडवोकेट अमरूदीन खान, अध्यापक अशरफ खां, समीर हाडा, अध्यापक नजीर खांन, रशीद खान तिवरी , फरोज खां नोसरा सहित काफी तादाद में समाज के मो अजीज लोग उपस्थित रहे।

जालोर शहर के दरगाह मखदुम पीर मियां मोटन शाह बारला तकीया पर राजस्थान प्रदेश मोयला (मुस्लिम) समाज की मीटिंग पीर सय्यद शादाब अली जीलानी की सरपरस्ती में आयोजित हुई।

- समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की कुरीतियों की एवं समाज विकास एवं शिक्षा के स्तर को सुधारने को लेकर चर्चा की

सार-समाचार

बीएसएफ के सहयोग से आगजनी पर काबू पाया

बाड़मेर,(नि.सं.)। बाड़मेर जिले के सीमावर्ती गांव केलनोर में आग लगने की सूचना पर बीएसएफ ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए आगजनी पर काबू पाया। रविवार को दोपहर 12:30 बजे 28वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ के कंपनी कमांडर अतुल सुमन को केलनोर गांव की भीलों की ढाणियों निवासी मंगला राम के घर में आग लगने की सूचना मिली। इस पर कंपनी कमांडर के निर्देशन में बीएसएफ के जवान तुरंत अग्निशमन यंत्र, पानी के टैंकर और एम्बुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। इससे संपत्ति और पशुधन का कोई नुकसान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने इस नेक काम और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बीएसएफ का धन्यवाद जताया।

कैलाश पटेल पैदल यात्रा पर निकलेंगे

उदयपुर । उदयपुर के सामाजिक कार्यकर्ता सबलपुरा निवासी कैलाश पटेल एक बार फिर देश में शांति, एकता और आतंकी घटनाओं की रोकथाम का संदेश लेकर एक अनूठी पहल करने जा रहे हैं। वे 25 नवंबर को उदयपुर से माता वैष्णो देवी तक की 1400 किमी से लंबी पैदल यात्रा पर निकलेंगे। पटेल उदयपुर के बेदला माता मंदिर से दर्शन करके अपनी यात्रा की की शुरुआत करेंगे वह नाथद्वारा राजसमंद खाटूश्याम जी सालासर जी होते हुए वैष्णो देवी जाएँगे। यह यात्रा उनके लिए नई नहीं है-वर्ष 2019 में भी वे इसी मार्ग को पैदल तय कर चुके हैं, और अब 2025 में वे इसे और बडे संकल्प के साथ दोहराने जा रहे हैं। कैलाश पटेल ने बताया कि देश में बढती संवेदनशील घटनाओं और युवाओं में बढती नकारात्मकता को देखते हुए वे यह संदेश देना चाहते हैं कि शांति ही विकास का मार्ग है। उनका मानना है कि जब समाज एकजुट होकर सकारात्मक सोच अपनाएगा, तभी देश में सद्भाव और भाईचारा मजबूत होगा इस यात्रा के दौरान वे कई शहरों और कस्बों से गुजरेंगे, जहाँ वे लोगों से संवाद करके आतंकवाद के खिलाफ जागरूकता, राष्ट्रप्रेम, और मानवता के संदेश को आगे बढाएंगे। उनका कहना है कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता का अभियान भी है। कैलाश पटेल की यह पैदल यात्रा आने वाले दिनों में पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बनने वाली है। उनकी पहल से उम्मीद है कि समाज में शांति, आपसी सद्भाव और मानवीय मूल्यों को और मजबूती मिलेगी।

बुजूर्ग पर लाठियों से हमला कर पैर तोड़ा

झुंझुनूं । रीको एरिया में एक 65 साल के बुजूर्ग के साथ उसके ही पड़ोसियों ने बेरहमी से मारपीट कर एक पैर पूरी तरह से तोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार रीको एरिया में रहने वाले बजरंगलाल अग्रवाल के पड़ोसी में नरेंद्र सिंह व उनका परिवार रहता है। जो तेज आवाज में लाउड स्पीकर चलाते है। जिसकी शिकायत पहले बजरंगलाल ने नरेंद्र सिंह को की। लेकिन नरेंद्र सिंह ने ना तो लाउड स्पीकर चलाना बंद किया और ना ही आवाज धीमी की। जिसके बाद बजरंगलाल ने इसकी शिकायत जिला कलेक्टर को की। जिला कलेक्टर से की गई शिकायत की जांच कोतवाली में आई और जांच चल रही थी। इसी बात से नाराज नरेंद्र सिंह ने बीती रात को बजरंगलाल अठावाल पर जानलेवा हमला कर दिया। कोतवाली में बजरंगलाल अग्रवाल के बेटे विपुल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उसके पिता गुढ़ा मोड़ पर दुकान बढाकर घर वापिस आ रहे थे कि रास्ते में ही नरेंद्र सिंह, उसका बेटा गिरीराज, उपलक्ष्य और बाबू के साथ-साथ नरेंद्र सिंह की पत्नी किरण ने उसके पिता को रोक लिया और योजनाबद्ध ढंग से बेरहमी के साथ मारपीट की। घटना के वक्त बजरंगलाल का बेटा विपुल खाटू गया हुआ था। इसके बाद बजरंगलाल ने जैसे तैसे पडौस की एक फैक्ट्री में छुपकर अपनी जान बचाई। लेकिन कुछ देर बाद वह बाहर आया तो दुबारा ताबड़तोड़ लाठियों से हमला कर दिया। फिलहाल बजरंगलाल, बीडीके अस्पताल में भर्ती है। जिसका एक पैर पूरी तरह से टूटा हुआ है।

सीकर में हर फ्लैट में तलाशी ली

सीकर। रविवार सुबह पुलिस ने अचानक रेजीडेंशियल अपार्टमेंट बिल्डिंग पर दबिश देकर हर फ्लैट में तलाशी अभियान चलाया। गैर वाजिब और संदिग्ध तरीके से रह रहे, देर रात उत्पात मचाने वाले, तेज रफ़्तार में बाइक दौडाने वाले, साइलेंसर से पटाखे बजाने वाले और आपराधिक रिकॉर्ड वाले आरोपियों की धरपकड के लिए अभियान चलाया। इस धरपकड कार्रवाई में उद्योग नगर थानाधिकारी राजेश बुडानिया और कोतवाल सुनील जांगिड के साथ दर्जनों पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने हर फ्लैट में रहने वालों से पूछताछ की है। बिल्डिंग के अंदर से पुलिसिया कार्रवाई का एक वीडियो भी सामने आया है। सुबह-सुबह पुलिस की अचानक दबिश पडने से लोगों में हडकंप मच गया। पुलिस ने बिल्डिंग के हर फ्लैट में तलाशी ली और पूछताछ की। रेजीडेंशियल अपार्टमेंट समेत पुलिस ने करीब 5 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अभी हिरासत में पकडे गए लोगों से पूछताछ कर रही है। अन्य संदिग्ध को पकडने की कार्रवाई भी करेगी। सीकर जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया- आज सुबह 5 बजे से 8 बजे तक पुलिस ने ऑपरेशन गोपनीय के तहत बदमाशों व आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के ठिकानों पर दबिश दी। कोतवाली थाना व उद्योग नगर थाना पुलिस ने एक रेजीडेंशियल सोसाइटी में संदिग्धों के खिलाफ बडी कार्रवाई की। सुबह करीब 5 बजे शुरू हुए इस विशेष धरपकड अभियान में पुलिस टीमों ने सोसाइटी के विभिन्न फ्लैट्स की तलाशी ली और कई संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पुलिस हिरासत में लिए आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक रिकॉर्ड और गतिविधियों की जांच कर रही है। पुलिस ने ये अभियान सुरक्षा और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए चलाया है। कुछ देर में कार्रवाई पूरी होने के बाद पुलिस पूरी कार्रवाई का खुलासा करेगी।

रामचरित मानस की शोभा यात्रा में जन सैलाब उमड़ा

रतनगढ़ । राम कथा से हमें यह शिक्षा मिलती है कि संकट में भी सत्य से मुख ना हो ,अपने वचनों का पालन करें ।भगवान की निकटता पाने के लिए हमारे भीतर सत्य, प्रेम व करुणा का भाव होना जरूरी है। भगवत प्राप्ति में क्रिया प्रधान नहीं है, समझ प्रधान है। मानस के अध्ययन से भगवान के श्री चरणों में प्रीति होती है।उक्त धर्म संबोधन संत प्रहलाद महाराज ने रविवार को शिवाजी सेवा संस्थान के विशाल भव्य प्रवचन पंडाल में मिटावा परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय नव दिवसीय संगीतमय मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम कथा के विश्राम दिवस पर दिया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए महाराज ने ओजस्वी मधुर वाणी में गृहस्थ धर्म का कर्तव्य बताते हुए कहा कि युवा अपने बुजुर्गों का सम्मान करें, अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति व संस्कार सिखाएं । दूसरों को सुधारने की अपेक्षा पहले स्वयं अपना सुधार करें। हमारे मन की स्वतंत्रता ही हमारे दु:खों का कारण है । उन्होंने सुंदरकांड के माध्यम से श्री हनुमानजी के चरित्र का वर्णन, अशोक वाटिका,लंका दहन ,रावण वध तथा भगवान श्री राम का राज तिलक प्रसंग विस्तार से सुनाया। राम कथा शुरू होने से पूर्व मुख्य यजमान गोविंदप्रसाद मिटावा ,जयदेवप्रसाद मिटावा व परिवार के गोविंदप्रसाद सिंगोदिया, लक्ष्मीनारायण मिटावा,हिमांशु मिटावा, भंवरलाल मिटावा , हरिप्रसाद मिटावा, रामनिवास मिटावा, भगवती प्रसाद मिटावा ने व्यास पीठ पर रखी श्री रामचरितमानस की पूजा अर्चना की और कथा स्थल से शोभा यात्रा के साथ सिद्धपीठ श्रीतालवाले बालाजी मंदिर पहुंचाया।कथा में पार्षद श्रवण सैनी,रामरतन प्रजापत, मनोज जोशी, बजरंग लाल गौड, पृथ्वीराज प्रजापति, पत्रकार ओम सारस्वत,नारायण प्रसाद सैनी, पवन माटोलिया, हीरालाल नौहाल सहित बडी संख्या में धर्म श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा में भाग लिया। शिवाजी सेवा संस्थान के प्रवचन पंडाल में रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने बडे उल्लास से श्रीराम कथा सुनकर आध्यात्मिक लाभ उठाया।

स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से चलता है संघ : डॉ. मोहनराव भागवत

डॉ. मोहनराव भागवत पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में आयोजित समारोह में शमिल हुए

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से ही संघ चलता है। मानसिकता से हर स्वंयसेवक प्रचारक ही हो जाता है। संघ की यही जीवन शक्ति है।

संघ यानी हम लोग स्वयंसेवक हैं। संघ याने स्वयंसेवकों का जीवन और उनका भावबल है। आज संघ बढ़ गया है। कार्य की दृष्टि से अनुकूलताएं और सुविधाएं भी बढी है, परंतु इसमें बहुत सारे नुकसान भी हैं। हमें वैसा ही रहना है जैसा हम विरोध और उपेक्षा के समय थे, उसी भावबल से संघ आगे बढ़ेगा।

- **कार्यक्रम के आरंभ में पुस्तक का परिचय और प्रस्तावना संपादक भागीरथ चौधरी ने रखी। वहीं समिति के उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा ने सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया**

डॉ. मोहनराव भागवत ने 'यह जीवन समर्पित ग्रंथ' पुस्तक का विमोचन किया।

डॉ. भागवत रविवार को पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से आयोजित और यह जीवन समर्पित ग्रंथ के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। यह पुस्तक राजस्थान के दिवंगत 24 संघ प्रचारकों की जीवन गाथा का संकलन है।

संघ कार्य के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा संघ ऐसे ही समझ में नहीं आता है। इसे समझने के लिए प्रत्यक्ष अनुभूति की आवश्यकता होती है, जो संघ में प्रत्यक्ष आने के बाद ही प्राप्त हो सकती है। कई लोगों ने संघ की स्पर्धा में संघ जैसी शाखाएं चलाने का उपक्रम किया। लेकिन पंद्रह दिन से ज्यादा किसी की शाखा नहीं चली। हमारी सौ साल से चल रही है और बढ़ भी रही है। क्योंकि संघ स्वंयसेवकों के भाव-बल और जीवन बल पर चलता है।

डॉ. भागवत ने कहा कि आज संघ का काम चर्चा और समाज के स्नेह का विषय बना हुआ है। संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने क्या क्या किया है, इसके डंके बज रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौ साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि ऐसे ही शाखा चलाकर राष्ट्र का कुछ होने वाला है? लोग तो कहते ही थे कि हवा में डंडे घुमा रहे हैं। ये क्या राष्ट्र की सुरक्षा करेंगे? लेकिन आज संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है और समाज में संघ की स्वीकार्यता बढ़ी है।

उन्होंने प्रचारकों और वरिष्ठ स्वयंसेवकों के जीवन पर आधारित नए ग्रंथ और यह जीवन समर्पित का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुस्तक केवल गौरव की भावना नहीं जगाती, बल्कि कठिन रास्ते पर चलने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों का आ ान किया कि वे इस परंपरा को न केवल पढ़ें, बल्कि अपने जीवन में उतारें यदि उनके तेज का एक कण भी हमने अपने जीवन में धारण कर लिया, तो हम भी समाज और राष्ट्र को आलोकित कर सकते हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में पुस्तक का परिचय और प्रस्तावना संपादक भागीरथ चौधरी ने रखी। आभार ज्ञान गंगा प्रकाशन समिति के अध्यक्ष डॉ. मुरलीधर शर्मा ने प्रकट किया।

वहीं समिति के उपाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा ने सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

भोजन की तलाश में आये लेपर्ड के हमले से एक महिला घायल

जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार की देर रात नाहरगढ़ के गुर्जर घाटी इलाके में भोजन की तलाश में लेपर्ड रिहायशी इलाके में आ गया। इस दौरान वन विभाग को सूचना मिलते ही वे लेपर्ड को रेस्क्यू करने के लिए निकले। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच ही रही थी इसी दौरान लोगों ने लेपर्ड को पकड़ लिया। लाठी-डंडों और चादर डालकर लेपर्ड को काबू में करने लग गए। इस मामले का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग डंडे से लेपर्ड को मारते नजर आए है। इस दृश्य ने वन्यजीव संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रेंज ऑफिसर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि गुर्जर घाटी का इलाका जंगल के पास है। पास में ही प्रभात पुरी का खोला का जंगल है। वहां से भोजन की तलाश में यह लेपर्ड आ गया था। लेपर्ड जिस घर के समीप आया। वहां भैंस थी। संभवत रात में वह इसलिए ही उधर गया।

- **ब्रहमपुरी क्षेत्र में लेपर्ड की सूचना पर वन विभाग की त्वरित कार्रवाई, मारपीट सामने आने पर तलाशी अभियान जारी**

राघवेंद्र सिंह ने बताया सूचना मिलते ही वह तुरंत रेस्क्यू के लिए निकले। भीड़ को देखकर शायद लेपर्ड ने अटैक करने की कोशिश की। इससे पहले ही लोगों ने लेपर्ड को पकड़ लिया था। वहीं घटना के दौरान लेपर्ड के हमले से एक महिला घायल हो गई। जिसे एसएमएस अस्पताल ले जाया गया। उपचार के बाद उसकी अस्पताल से छुट्टी दे दी। इस बीच वायरल वीडियो में लेपर्ड को डंडे से मारते हुए भी नजर आए। जिसके बाद वन्यजीव प्रेमियों ने घटना की निंदा की। उनका कहना है जंगली जानवर घर में घुस आए तो तुरंत पुलिस और वन विभाग को सूचना दे। लेपर्ड पर हमला करना कानूनन अपराध है, जिसके लिए 3 से 7 साल की सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद भीड़ ने खुलेआम नियमों का उल्लंघन करते हुए हिंसा की। वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोग दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सेमिनार का आयोजन

जयपुर। 72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के अंतर्गत जयपुर जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, जयपुर द्वारा रविवार, दिनांक 16 नवम्बर 2025 को प्रात: 10:00 बजे बैंक के प्रधान कार्यालय भवन में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य विषय सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना रहा।

सेमिनार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैंक की सचिव रजनी गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान किसानों को बैंक की कार्यप्रणाली, उपलब्ध सेवाओं तथा वर्तमान में संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई इसके साथ ही कृषकों के हितों के लिए राज्य सरकार द्वारा दीर्घकालीन सहकारी कृषि ऋणों एवं अकृषि उत्पादक ऋणों पर लागू ब्याज अनुदान योजना 2025-26 के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

मुख्यमंत्री 27 को पर्यटन विभाग की प्री-समिट में करेंगे शिरकत

जयपुर । आगामी 10 दिसम्बर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में पर्यटन विभाग द्वारा प्री-समिट का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के निजी होटल में 27 नवम्बर को प्रस्तावित इस प्री-समिट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शिरकत करेंगे।

पर्यटन विभाग की प्री-समिट में दो सत्र आयोजित किए जाएंगे। पहले सत्र में 'राजस्थान ए ईयर-राउण्ड टूरिस्ट डेस्टिनेशन' और दूसरे सत्र में 'राजस्थान राइजिंग- बिल्डिंग इंडियाज प्रीमियर एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन' विषय पर विशेषज्ञो द्वारा पर्यटन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जावेगी। इसमें टूरिज्म, होटल तथा ट्रैवल सेक्टर्स के हितधारक और प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रवासी समुदाय और राज्य सरकार के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक बड़ा मंच उपलब्ध करवाएगा।

प्रवासी राजस्थानी दिवस पर वैश्विक नेताओं व विशिष्ट प्रवासी सदस्यों का होगा स्वागत

जयपुर। माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 का आयोजन करने जा रही है। यह राज्य-स्तरीय उत्सव वैश्विक राजस्थानी समुदाय, उनकी उपलब्धियों और मातृभूमि के साथ उनके संबंधों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। यह आयोजन विचारों, विरासत और सहयोग का एक विशाल संगम प्रस्तुत करेगा, जिसमें दुनिया भर से प्रभावशाली प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे।

इस अवसर पर उद्योग, नीति-निर्माण, नवाचार, शिक्षा, कला एवं संस्कृति, उद्यिमता और सामाजिक सरोकार जैसे विविध क्षेत्रों के विश्व प्रसिद्ध नेता, नीति विशेषज्ञ, नवाचारी, शिक्षाविद, सांस्कृतिक हस्तियाँ और समाजसेवी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में दुनिया भर में अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय पहचान बना चुके अनेक प्रतिष्ठित लीडर्स शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथियों में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, सीमेंट के चेयरमैन हरी मोहन बांगुर तथा आर.के. मार्बल एवं वंडर सीमेंट के चेयरमैन अशोक पाटनी शामिल हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- **राजस्थान करेगा बिजनेस टाइटन्स अशोक पाटनी और दीपाली गोयनका का स्वागत**

इसके साथ ही वेलस्पन इंडिया लिमिटेड की सीईओ दीपाली गोयनका, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ संजय अग्रवाल और जेके सीमेंट के संयुक्त प्रबंध निदेशक माधव सिंघानिया भी आयोजन में शिरकत करेंगे।

कार्यक्रम में हिंदुस्तान ज़िंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल, बिकाजी फूड्स इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल और आनंद समूह की चेयरपर्सन अंजलि सिंह भी शामिल होंगी।

इसके अतिरिक्त, तितागढ़ रेल सिस्टम्स के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक उमेश चौधरी, वोल्वो ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष कमल बाली, ईज़ माय ट्रिप के सीईओ एवं सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी, मोतीलाल ओसवाल एंड कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मोतीलाल ओसवाल तथा केईआई लिमिटेड के चेयरमैन अनिल कुमार गुप्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उनकी उपस्थिति वैश्विक राजस्थानी समुदाय के राज्य के प्रति विश्वास, गर्व और गहरे संबंधों को अभिव्यक्त करेगी।

राज्य सरकार ने इस अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संरक्षण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित सेक्टोरल सत्र शामिल होंगे। इन सत्रों में विकास, नवाचार और निवेश पर सार्थक चर्चा होगी।

22-23 नवंबर को आरआईसी में होगा जयपुर डांस कॉन्क्लेव

जयपुर। जयपुर की सांस्कृतिक कैलेंडर में एक नया और अनूठा आयोजन जयपुर डांस कॉन्क्लेव (जेडीसी) जुड़ने जा रहा है। यह फेस्टिवल 22 और 23 नवंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित होगा। यह राजस्थान में अपने प्रकार का यह पहला फेस्टिवल है, जो जयपुर के दर्शकों को भारत के विविध नृत्य रूपों से परिचित कराएगा।

इस दो दिवसीय फेस्टिवल के दौरान दर्शकों को देशभर के श्रेष्ठ नृत्य प्रदर्शन देखने, वरिष्ठ नृत्य गुरुओं के अनुभव सुनने, युवा कलाकारों से संवाद करने और नृत्य का उत्सव मनाने का अवसर मिलेगा। फेस्टिवल में देशभर के प्रसिद्ध कलाकारों और विशेषज्ञों द्वारा नृत्य प्रस्तुतियां, कार्यशालाएं और चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रख्यात कलाकारों में पद्मश्री माधवी मुद्गल (ओडिसी), पद्मश्री लीला सैमसन (भरतनाट्यम) और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त प्रेरणा श्रीमाली (कथक) आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि अमृता लाहिड़ी और मंजोत चावला द्वारा संकल्पित और क्यूरेट किया गया, जेडीसी आर्टस्पॉट्स की पहल है। जयपुर डांस कॉन्क्लेव का उद्देश्य जयपुर के दर्शकों के बीच भारत की समृद्ध और विविध नृत्य परंपरा के प्रति जागरूकता और सराहना को बढ़ावा देना है।

- **फेस्टिवल में होगी आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां, कार्यशालाएं और चर्चाओं की एक रोमांचक श्रृंखला**

जेडीसी की शुरुआत दो रोचक सेमिनारों से होगी, जिनमें 'डांस - द ऑल इन्क्लूसिव आर्ट फॉर्म' विषय पर पद्मश्री लीला सैमसन और मीता कपूर, तथा 'द आर्ट्स ईकोसिस्टम - डायनेमिक्स एंड बैलेंस' पर दीप्ति शशिधरन, शान भटनागर, अखिला कृष्णमूर्ति और अदिति जेटली विचार साझा करेंगी। इसके बाद नृत्य प्रस्तुतियों और वर्कशॉप्स की श्रृंखला शुरू होगी, जिसमें चैना और राकेश की प्रस्तुति 'कशीदा फूल', प्रेरणा श्रीमाली की कथक वर्कशॉप, और दौसा के मीणा एवं गुर्जर समुदाय की लोक प्रस्तुति 'कन्हैया दंगल' शामिल हैं।

गणना प्रपत्र वितरण के साथ डिजिटाईजेशन में तेजी

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि 13 दिनों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने घर-घर पहुंचकर न केवल मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए हैं बल्कि गणना प्रपत्र को किस तरह से भरा जाना है, इसकी जानकारी भी दी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भरे हुए प्रपत्रों को डिजिटल स्वरूप में दर्ज करने की प्रक्रिया भी लगातार तेज हो रही है। अब तक 1.32 करोड गणना फॉर्म ईसीआईनेट पर अपलोड किए जा चुके हैं डिजिटाइजेशन में बाड़मेर 38 प्रपत्रों को अपलोड करवा कर प्रथम स्थान पर है, तथा सवाई माधोपुर, धौलपुर एवं भरतपुर भी 30 से अधिक प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन के साथ इस तालिका में ऊपर हैं। कोटा 18 के साथ सबसे नीचे स्थान बनाए हुए हैं एवं बूंदी, करौली, डूंगरपुर, झुंझुनूं, जयपुर ऐसे जिले हैं जहां अभी डिजिटाइजेशन का कार्य 20 से कम है।

पर्यावरण चेतना के लिए हुई ग्रीन हार्टफुलनेस रन

चित्रकूट स्टेडियम में ग्रीन हार्टफुलनेस रन का आयोजन किया।

जयपुर। हार्टफुलनेस मेडिटेशन की ओर से गुलाबी नगरी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रविवार को चित्रकूट स्टेडियम वैशाली नगर में ग्रीन हार्टफुलनेस रन का भव्य आयोजन किया गया।

हार्टफुलनेस संस्थान के जोनल कोऑर्डिनेटर तरुण तोषनीवाल ने बताया कि दौड़ की तीनों श्रेणियां 1 किलोमीटर,2.5 किलोमीटर और 5 किलोमीटर में बहुत बड़ी संख्या में 5 वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। अंत में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

संस्था ने अब तक देश में अलग-अलग जगह पर लाखों पेड़ नियमित रखरखाव के साथ लगाकर सघन वन लगाए। टैगोर पब्लिक स्कूल, वैशाली नगर, खंडेलवाल वैश्य कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, तथा अनेक संस्थाओं की प्रतिभागिता के साथ शहर की नामचीन हस्तियों विष्णु कांत (आईपीएस,आईजी पुलिस), देवेन्द्र पुरोहित (न्यूरो सर्जन), सौरभ तांबी (एयू बैंक), दुर्गेश खंडेलवाल (आरएसएस ,महानगर प्रमुख) आदि के साथ बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। दौड़ के बाद सभी ने हार्टफुलनेस ध्यान का आनंद प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ली बैठक

जयपुर । 19 नवंबर को होने वाले संभाग स्तरीय घूमर-2025 महोत्सव को लेकर तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर महिला मोर्चा, महिला पार्षदों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने अब तक किए गए प्रचार-प्रसार की समीक्षा की और कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाने पर जोर दिया।

दिया कुमारी ने कहा कि सभी को मिलकर घूमर महोत्सव को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और विरासत अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके। उन्होंने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि अपने रीति-रिवाज़ और त्योहारों को बड़े स्तर पर मनाएँ, जिससे नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को समझ सके और उससे जुड़े रह सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विरासत को विकास से जोड़ने की बात करते हैं, इसलिए हमें भी इसी दिशा में कार्य करना चाहिए। घूमर कार्यक्रम सिर्फ एक शुरुआत है और इसकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए इसे आगे और विस्तारित किया जा सकता है।

सार-समाचार

स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

जयपुर । अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज धर्मशाला, अजमेर रोड, बड़ के बालाजी, बगरू में युवा संघ द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत श्री श्री 1008 श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम रामदयाल महाराज ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस दौरान अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द बम्बला, राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम अलियाबाद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ शंभु कुईवाले, राष्ट्रीय सयोजक सुभाष डीएमबी राष्ट्रीय सहमहामंत्री बंशी लाल बोहरा, राष्ट्रीय सहकोषाध्यक्ष गोपाल बीएसएनएल, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कांजला, बगरू तहसील अध्यक्ष सीताराम भंभौरिया, राष्ट्रीय युवा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील टीलावाला, राजस्थान युवा प्रदेशाध्यक्ष दुर्गाशंकर उदाला, प्रदेशाध्यक्ष युवा महामंत्री सूरज बापलावत राहौरी, जयपुर ग्रामीण युवा अध्यक्ष बंशी पंचोली खेड़ी सहित महासभा पदाधिकारीगण तहसील अध्यक्षगण, समाज के वरिष्ठ, युवा साथी उपस्थित रहे।

वसुन्धरा राजे ने राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर के पिता को श्रद्धांजलि दी

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने सीमा सुरक्षा बल के पूर्व कमांडेंट व भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर के पिता हरभान सिंह पटेल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की।उन्होंने जयपुर स्थित उनके निवास पर पहुँच कर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। स्व.पटेल के दामाद और पूर्व मंत्री नाथू सिंह गुर्जर व उनके साले पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह गुर्जर भी वहाँ मौजूद थे।स्व.पटेल ने भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्धों में भाग लेकर दुश्मनों को अपनी बहादुरी से सबक सिखाया।वे अपने अदम्य साहस और शौर्य की मिसाल थे,जिन्होंने अपनी सेवा निवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिकों की मदद के लिए बहुत काम किया।वे अंतिम समय तक सैनिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

गुमशुदा विवाहित को तीन साल की बच्ची के साथ पुलिस ने किया दस्तयाब

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने गत 4 नवंबर को तीन साल की बच्ची के साथ लापता हुई विवाहिता को दस्तयाब कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन साल की बच्ची और विवाहिता को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि गत 4 नवंबर को परिवादिया बीना देवी (60) पत्नी चौथमल, विजयपुरा, नारायणपुर ,अलवर निवासी ने बताया गुमशुदगी दर्ज कराई थी की। उसकी बेटी ज्योति (21) पत्नी महेंद्र झुझुनूं निवासी को सिंधी कैंप से पिलानी जाने वाली बस में बिठाया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी सहायता व टीम के कथक प्रयास से ज्योति और उसकी तीन साल की बच्ची को पुरोवाल अरायन ,गुरदासपुरा ,पंजाब से दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

इथेनॉल मिश्रण की घोषणाएँ और किसानों की बदहाली

दिल्ली/जयपुर। किसान महापंचायत के अध्यक्ष रामपाल जाट ने बताया कि सरकार द्वारा इथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीतियों को किसान कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया, लेकिन व्यवहार में ये घोषणाएँ किसानों के लिए दर्द बनकर उभरी हैं। वर्ष 2018 की नीति के अनुसार 2030 तक इथेनॉल मिश्रण 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य था, लेकिन मार्च 2025 में इसे समय से पांच वर्ष पहले ही 80:20 अनुपात में लागू कर दिया गया। इस दौरान किसानों को 'अन्नदाता से ऊर्जादाता' बनाने और उपभोक्ताओं को 55 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल उपलब्ध कराने की घोषणाएँ की गईं, जो धरातल पर अधूरी ही रहीं।

जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का डिप्टी सीएम ने किया उद्घाटन

जयपुर। राजधानी जयपुर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का चौथा सीजन रविवार को आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और आईएएस मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन व पूर्व प्रशासनिक अधिकारी पवन अरोड़ा,आईटीसी राजपूताना जी एम दीपेंद्र राणा ने उद्घाटन किया। यह एग्जीबिशन 20 नवंबर तक चलेगी। उपमुख्यमंत्री दीया ने एग्जिबिशन में फोटो और पेंटिंग की तारीफ की और सभी पार्टिसिपेट को बधाई दी। सभी लोग विरासत को संजोए और खूबसूरती को बनाए रखे।जयपुर स्थापना दिवस पर सभी लोगों से आग्रह किया कि सभी एग्जिबिशन को देखे। महाराजा भवानी सिंह की पुरानी तस्वीरें देख की सराहना की।

- **एग्जीबिशन 20 नवंबर तक चलेगी**

आईटीसी राजपूताना की आर्ट गैलेरी में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी व नवीन महाजन ने उद्घाटन किया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर शुरू हुई यह प्रदर्शनी शहर के इतिहास, संस्कृति और हेरिटेज को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सभी मिलकर जयपुर की समृद्ध संस्कृति और धरोहरों के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाएं।

दीया कुमारी ने बताया कि जयपुर 300 साल पूरा करने जा रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए कई बड़े आयोजन सरकार द्वारा किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार संस्कृति और धरोहर संरक्षण के लिए लगातार काम कर रही है और इसमें नागरिकों की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है। अतिथियों में जे डी माहेश्वरी, राघव गोयल,मोहित टेलर, दीपक गुप्ता, टीटू तनवानी, राहुल सिंघी, पी आर ओ शशि किरण, अनूप श्रीवास्तव, जगदीप सिंह, विजय शर्मा का स्वागत एग्जिबीशन क्यूरेटर अदिति अग्रवाल ने किया।

तस्वीरों में जयपुर के हेरिटेज मॉन्यूमेंट, वॉल सिटी, मंदिर, फेस्टिवल, शहर की पुरानी गलियों के साथ ही कल्चर की बेहद खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलेगी।

142 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के तबादले

जयपुर। राजस्थान पुलिस महकमें में शनिवार देर रात बड़ा फेरबदल करते हुए गृह विभाग ने एक आदेश जारी कर 142 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के तबादले कर दिए। इस फेरबदल में तीन अधिकारियों को नवगठित महिला बटालियनों में डिप्टी कमांडेंट के पद का अतिरिक्त कार्यभार सौपा गया है। यह अतिरिक्त कार्यभार उन्हे आगामी आदेश तक संभाला होगा। जोधपुर में डिप्टी कमांडेंट प्रथम बटालियन आरएसी के राजीव कुमार परिहार को डिप्टी कमांडेंट अमृता देवी महिला बटालियन बाड़मेर की जिम्मेदारी भी दी गई है।

वहीं अजमेर में डिप्टी कमांडेंट हाडीरानी महिला बटालियन की प्रीति कांकाणी को डिप्टी कमांडेंट पदमिनी महिला बटालियन सीकर और जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पुलिस अधीक्षक केंद्रीय भंडार पुलिस मुख्यालय) के यशपाल त्रिपाठी को डिप्टी कमांडेंट कालीबाई महिला बटालियन अलवर की कमान भी सौंपी गई है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अपराध एवं सतर्कता पुलिस कमिश्नरेट जयपुर विमल सिंह का एएसपी कुचामन (डीडवाना-कुचामन) के पद पर तबादला किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बर्गलरी एंड थैफ्ट पुलिस कमिश्नरेट जयपुर पुष्पेंद्र सिंह सोलंकी अब एएसपी मालपुरा, टोंक की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुलिस अधीक्षक लीव रिजर्व आयोजना आधुनिकीकरण एवं कल्याण पुलिस मुख्यालय जयपुर लोकेश मीणा का एएसपी नीमकाथाना (सीकर) के पद पर तबादला किया गया है। वहीं इस बड़े फेरबदल में कुछ पुलिस अधिकारियों को जयपुर में पोस्टिंग की गई है। जिसमें एएसपी कामां डीग महेश मीना अब अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय पूर्व) पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में नियुक्त किए गए हैं। एएसपी मालपुरा (टोंक) मोटाराम बेनीवाल अब एएसओ लीव रिजर्व कार्यालय महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण राजस्थान जयपुर में अपनी सेवाएं देंगे। एएसपी हनुमानगढ़ जनेश सिंह तंवर का एएसपी एचसीएमयू जयपुर के पद पर तबादला किया गया है। एएसपी सौरभ कोठारी, जो एपीओ थे, वे अब एएसपी सीआईडी एसएसबी जयपुर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। एएसपी झालावाड़ चिरंजी लाल मीना अब एएसपी सीआईडी एसएसबी जयपुर में नियुक्त किए गए हैं।

संक्षिप्त

331 बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर। शहर पुलिस ने वांछित बदमाशों की गिरफ्तारी एवं एरिया डोमिनेंस अभियान के दौरान तीन सो इकत्तीस अपराधीक प्रवृत्ति के बदमाशों को गिरफ्तार किया। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव व जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अपराधिक घटनाओं की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरकपड़ के लिए रेड व एरिया डोमिनेंस की कार्यवाही करने के के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, अंजना सुखवाल, गोपालस्वरूप मेवाड़ा के सुपरविजन में जिले के प्रत्येक थाने के थानाधिकारियों सहित करीब 105 टीम के 460 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रविवार तड़के अपने अपने क्षैत्र में 720 से अधिक स्थानों पर दबीश दी। इस दौरान कुल 331 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनमें आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकरी अधिनियम हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती सहित अन्य जघन्य अपराधों मेंवांछित 22 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। स्थाई वारंटी 76, सामान्य प्रकरणों में वांछित 09, अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। नवीन विधिक प्रावधानों के तहत 224 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। माईनर एक्ट के 19 प्रकरण दर्ज कर 19 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनमें आबकारी के तहत 8 प्रकरण दर्ज कर 7 अभियुक्त, एनडीपीएस एक्ट में एक प्रकरण दर्ज कर एक अभियुक्त, आर्म्स एक्ट में एक प्रकरण दर्ज कर एक अभियुक्त तथा 7 अन्य प्रकरणों में 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

उदयपुर,16नवंबर। मकान गिरवी रख कर धोखाधड़ी करने वाले मकान मालिक के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित चन्द्रा पत्नी महेन्द्र खटीक निवासी वफेड़ा कला वल्लभनगर हाल चंद्राशिव पुराना आरटीओ रोड़ ने आरोपी ईश्वरलाल पुत्र लक्ष्मीलाल राव निवासी शिव कॉलोनी पुराना आरटीओं रोड़ के पास ढिकली के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी का मकान 4 लाख लाख में दिसंबर 22 तक के लिए रहन पर लिया था। इस दौरान चार लाख रूपये का भुगतान किया। इसके अलावा अन्य सुविधाओं पूर्ति के लिए कहने पर आरोपी के कहे अनुसार मैने 64 हजार का काम करवा लिया।निर्धारित समय पश्चात रूपये मांगने पर आरोपी ने देने से इनकार कर दिया। इस मामले की जांच पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित कर रहे है।

रेलवे की ओर से माल परिवहन बढ़ाने के प्रयास

भीलवाड़ा। रेलवे की ओर से माल परिवहन बढाने के लिए सभी स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। भीलवाड़ा से निर्यात के लिए भी बड़ी मात्रा में प्रतिदिन कन्टेनर भेजे जाते है। बिजौलियां क्षेत्र से सेण्डस्टोन के कन्टेनर भी निर्यात के लिए भेजे जाते है। इसको ओर बढाने के लिए कोनकोर ने माण्डलगढ में 7 नवम्बर 2025 से मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक टर्मिनल प्रारम्भ कर दिया है। भीलवाडा के निर्यातकों को यहां से माल भेजने के संदर्भ में आज कॉनकोर के वरिष्ठ अधिकारी विजय सिंह ने मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के तत्वावधान में विभिन्न इकाईयों में निर्यातकों से मुलाकात की। मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के मानद महासचिव आर के जैन ने बताया कि विजय सिंह ने आज नितिन स्पिनर्स, संगम इण्डिया, बीएसएल लिमिटेड , आरएसड्ब्ल्यूएम, सुदिवा आदि इकाइयों में जाकर कम्पनी प्रबंधन से चर्चा की। जैन ने बताया कि इसी कड़ी में मेवाड़ चैम्बर भवन में आयोजित एक आपसी सम्पर्क वार्ता में उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय के चीफ कॉमशियल मेनेजर फ्रेट मार्केटिंग विवेक रावत एमएसएमई एवं अन्य छोटे निर्यातकों के वार्ता करेगें।

48 नायब तहसीलदारों को पोस्टिंग दी

अजमेर । राजस्व मंडल द्वारा नव पदोन्नत किए गए 48 नायब तहसीलदारों को एक आदेश जारी कर पोस्टिंग दे दी हैं। राजस्व मंडल के निबंधक महावीर प्रसाद ने एक आदेश जारी कर मंडल की वेबसाइट सूची अपलोड करवा दी है। पदस्थापित किए गए सभी नायब तहसीलदारों को तुरन्त प्रभाव से नए स्थान पर कार्यठाहण कर मंडल को ईमेल के माध्यम से आवश्यक रूप से ज्वाइनिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

गिरफ्तार बीपीएम और एलआरपी पर बड़े एक्शन की तैयारी

झुंझुनूं । झुंझुनूं एसीबी की टीम द्वारा गिरफ्तार राजीविका की चिडावा ब्लॉक की परियोजना प्रबंधक बीपीएम रेणुका कुमारी तथा सुलताना कलस्टर के पशुधन संदर्भ व्यक्ति एलआरपी को 20 हजार रूपए की रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब बड़े एक्शन की तैयारी शुरू हो गई है। राजीविका में अस्थायी रूप से काम कर रहे एलआरपी की सेवा बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं बीपीएम की सेवा बर्खास्तगी के लिए भी झुंझुनूं राजीविकास की ओर से राज्य राजीविका को पत्र लिखा जाएगा। दरअसल बीपीएम के खिलाफ पहले से शिकायतों का ढेर विभाग के पास था। जिसे लेकर लगातार नोटिस दिए जा रहे थे। लेकिन एसीबी की कार्रवाई ने इन शिकायतों में आग में घी डालने का काम किया है। बीपीएम रेणुका और

धर्मेंद्र

रेणुका कुमारी

एलआरपी धर्मेंद्र को गत दिनों ही एसीबी झुंझुनूं की टीम ने एक कम्यूनिटी रिसोर्स पर्सन, यानि कि सीआरपी से मानदेय और सर्वे की राशि के एवज में रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था। दोनों फिलहाल जेल में है। लेकिन अभी दोनों की मुश्किलें कम नहीं हुई है। दरअसल राजीविका ने दोनों को सेवा से बर्खास्त करने की पूरी तैयारी कर ली है। डीपीएम विप्लव न्यौला ने बताया कि जिस

- **रिश्वत लेते पकड़े गए बीपीएम और एलआरपी होंगे बर्खास्त**

मामले में सीआरपी आशा से रिश्वत लेते हुए दोनों गिरफ्तार हुए है। उस मामले में पूर्व में आशा ने कार्यालय में शिकायत की थी। जिसके लिए जरिए पत्र और मौखिक रूप से मानदेय जारी करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि रिश्वत लेते पकड़े जाने से तीन दिन पहले ही रेणुका को अंतिम कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। लेकिन उनका जवाब नहीं आया। अब एसीबी से एफआईआर व अन्य जानकारियां मांगी गई है। जिसके बाद रेणुका की सेवा बर्खास्तगी के लिए स्टेट को पत्र लिखा जाएगा। वहीं धर्मेंद्र की सेवा बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजीविका के डीपीएम विप्लव न्यौला ने बताया कि इस प्रकरण के अलावा भी बीपीएम रेणुका की काफी शिकायतें थी। जिसे लेकर उन्हें चार से पांच नोटिस दिए जा चुके थे। अंतिम नोटिस देकर रेणुका से जवाब मांगा गया था। हालांकि उसने नोटिस प्राप्त होने से पहले ही सीआरपी आशा को भुगतान कर दिया था। पर अभी भी जांच करवाई जा रही है कि आशा ने अपने शिकायत में चार माह का वेतन बकाया होना बताया था। जबकि सामने आ रहा है कि उसे नौ महीने का बकाया वेतन दिया गया है। जो भी जांच का विषय है। डीपीएम द्वारा 06 नवंबर को जो अंतिम नोटिस जारी किया गया था। उसमें रेणुका पर काफी गंभीर आरोप लगाए गए थे। जिनमें प्रमुख रूप से बजट घोषणा

राजपूत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम

कोटा, (निसं)। राजपूत समाज कोटा संगठन की ओर से रविवार को कंसुआ स्थित श्यामवन मैरिज गार्डन में 'शक्ति' के बैनर तले सामाजिक सहयोग की अनूठी पहल शुरू की गई। समाज के सदस्यों ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नियमित पेंशन और स्वरोजगार सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजक रविन्द्र सिंह हाड़ा नरेश ने बताया कि हाल ही में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में समाज की 21 महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में सिलाई मशीनें वितरित की गई थीं। उसी दौरान यह निर्णय लिया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए मासिक पेंशन योजना शुरू की जाएगी। इसी क्रम में रविवार को 15 जरूरतमंद महिलाओं को 800 रुपये की मासिक पेंशन प्रदान की गई, वहीं एक महिला को स्वरोजगार हेतु 11,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। बैठक में यह सहमति बनी कि समाज प्रत्येक माह इन परिवारों को पेंशन उपलब्ध कराएगा और कम से कम एक महिला को स्वरोजगार के लिए नकद राशि दी जाएगी, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में निरंतर सहयोग मिल सके। कार्यक्रम में लोकेंद्र सिंह राजावत, गोपाल सिंह कानावत, हिम्मत सिंह हाड़ा, रविन्द्र सिंह हाड़ा नरेश, भवानी सिंह सोलंकी, महावीर सिंह शक्तावत, विवेक सिंह सिसोदिया, मुकेश सिंह राजावत, भैरू सिंह राठौड़, हेमलता चौहान, हरिओम सिंह भदौरिया और राजेश सिंह परिहार सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे और सामाजिक उत्थान पर अपने विचार व्यक्त किऐं।

सड़क निर्माण कार्य का मौका मुआयना

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर विधायक अशोक कोठारी ने शनिवार सुबह पुलिस लाइन स्थित संतोषी माता मंदिर में माता के दर्शन कर मेवाड़ मिल पुलिया से पांडु नाले तक प्रस्तावित 100 फीट सड़क के निर्माण कार्य में आने वाली बाधाओं के समाधान हेतु मौका मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने नगर विकास न्यास और विद्युत विभाग के अधिकारियों को कार्य में त्वरित गति लाने के निर्देश दिए।

विधायक कोठारी ने पुलिस लाइन से लेकर पांडु नाले तक के क्षेत्र का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि यातायात सुगम हो सके और रेलवे ओवरब्रिज पर वाहनों का दबाव कम हो। विधायक कोठारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को 11 केवी और 33 केवी की विद्युत लाइनों को सड़क की परिधि से बाहर साइड में तुरंत शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

2 करोड़ 54 लाख से सड़कें बनेगी

अजमेर । अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने शनिवार को आदर्श नगर क्षेत्र की सडक़ों के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। आदर्श नगर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में ये सडक़ें 2 करोड़ 54 लाख रूपए की लागत से बनाई जाएगी। इन सडक़ों के निर्माण की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा काफी समय से की जा रही थीं विधायक भदेल ने क्षेत्रवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आदर्श नगर क्षेत्र की सडक़ें लंबे समय से जर्जर अवस्था में थीं। लगातार हो रही भारी वर्षा एवं जलभराव के कारण इनकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई थी, जिससे स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आमजन को काफी असुविधाएं हो रही थी। बरसात के दिनों में सडक़ पर बने गड्ढों और फिसलन के कारण कई दुर्घटनाएं हो गई थी,जिससे इन सडक़ों का पुनर्निर्माण करना आवश्यक हो गया था। विधायक भदेल ने बताया कि सडक़ों का निर्माण 2 करोड़ 54 लाख रुपए की लागत से होगा, जिसके तहत लगभग 2.5 किलोमीटर लम्बी सडक़ बनाई जाएगी। इसके अंतर्गत इस क्षेत्र की सभी प्रमुख गलियों, मार्गों एवं संपर्क सडक़ों को नए सिरे से दुरुस्त किया जाएगा। इस क्षेत्र में सडक़ निर्माण के साथ-साथ फुटपाथें पर इंटरलॉकिंग ब्लॉक भी लगाए जाएंगे, जिस पर पैदल चलना सुरक्षित और सुगम होगा। उन्होंने आगे कहा कि रात्रिकालीन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण क्षेत्र में 2000 केट-आई रिफ्लेक्टर लगाए जाएगे। ताकि अंधेरे में भी सडक़ें स्पष्ट रूप से दिखाई दें और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके। रिफ्लेक्टरों लगाने से सडक़ें रात के समय रोशनी के अभाव में भी सुरक्षित रहेंगी विधायक भदेल ने कहा कि इस सडक़ निर्माण में सेटेलाइट हॉस्पिटल के सामने स्थित मुख्य सडक़ का निर्माण भी शामिल है।

राजस्थान में गोडावन के बाद लुप्त होने के कगार पर सारस पक्षी पहुंचे

बून्दी । दुनिया में उडान भरने के मामले में सबसे बडे आकार के भारतीय सारस पक्षियों का कुनबा दिनो-दिन कम होकर देश के चुनिंदा इलाकों व उत्तरप्रदेश के सारस संरक्षित क्षेत्रों तक सिमटता जा रहा है।

एक दशक पहले तक देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान के आधे से ज्यादा भू-भाग पर सदियों से अपने कलरव से लोगों को आकर्षित करने वाले भारतीय

- **राज्य में खत्म हुए बड़े परिंदो के प्राकृतिक आवास**

सारस पक्षी अब राज्य में मात्र आधा दर्जन सरहदी जिलों के चुनिंदा जलाशयों तक सिमटकर अपना अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आबादी का नमभूमियों पर बढता दबाव व जलस्त्रोतों के किनारों पर प्रतिकूल होती वनस्पति ने राजस्थान में सारस पक्षियों सहित कई प्रजातियों के प्रजनन को प्रभावित किया है और दिनोदिन इनकी तादात कम हो रही है। राजस्थान में राज्य पक्षी गोडावण व गिद्धों पर पहले ही लुप्त होने का संकट गहराता जा रहा है और अब सारस पक्षियों की कम होती तादाद और

सारस पक्षियों का कुनबा दिनो-दिन कम होकर देश के चुनिंदा इलाकों व उत्तरप्रदेश के सारस संरक्षित क्षेत्रों तक सिमटता जा रहा है।

सिमटते आवास पर्यावरण प्रेमियों के लिए चिंता का विषय बने हुए है। राजस्थान के रेगिस्तानी भाग को छोड़कर अधिकांश भाग सदियों से इस सुंदर पक्षी सारस की शरण स्थली रहे है, लेकिन पिछले एक दशक में जल स्त्रोतों पर अवैध अतिक्रमण व कमजोर मानसून के चलते बदली परिस्थितियों से सारस के प्राकृतिक आवास नष्ट हो गए और ये पक्षी राज्य के मात्र आधा दर्जन जिलों तक सिमिटकर रह गए हैं। राज्य के दक्षिणी-पूर्वी व पूर्वी इलाके में मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश राज्यों की सरहद के निकट ही अब सारस पक्षी दिखाई दे रहे हैं और इन इलाकों में इनके नेस्टिंग की स्थिति भी चिंताजनक है।

राज्य के कोटा महानगर के निकट उम्मेदगंज पक्षी विहार को सारसों के संरक्षण व प्रजनन के उद्देश्य से विकसित करने का प्रयोग वन विभाग ने किया लेकिन विगत पांच सालों से मात्र एक या कभी कभार दो सारस का जोड़ा यहां पर दिखाई दे रहा है और नेस्टिंग की कोई जानकारी नहीं है। कोटा व बून्दी के बीच बरधा बांध वेटलैंड पर लंबे समय से सारसों की बड़ी संख्या में उपस्थित बनी हुई है लेकिन वहाँ इनकी सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर कोई योजना नहीं बनाई गई है। जलाशयों में मछली ठेके व पेटा काश्त भी इन पक्षियों के प्रजनन पर प्रतिकूल असर डाल रहे है। गत वर्ष हुई पक्षी गणना में भी पूरे राज्य में केवल कोटा, बून्दी, भरतपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ, बांसवाडा, उदयपुर व चित्तौडगढ जिलों में बहुत कम संख्या में सारस रिकोर्ड हुए थे।

युवक की हत्या के आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर की उद्योग नगर थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे इनामी आरोपियों इंसाफ (32) और रेहान रंगीला (23) को गिरफ्तार कर लिया है।

सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि 6 नवंबर को न्यू मोटर मार्केट में दोनों आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर आदिल खान उर्फ कालिया पर धारदार हथियारों और कट्टे से हमला किया था। इसमें गंभीर रूप से घायल आसिफ खान उर्फ कालिया की 8 नवंबर को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार थे जिनकी गिरफ्तारी पर 5-5 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया था।

कोटा सिटी एडिशनल एसपी दिलीप सैनी के निर्देशन में थानाधिकारी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने 10 दिनों तक लगातार 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर 16 नवंबर को दायीं मुख्य नहर, रमण वाटिका के पास दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इंसाफ निवासी सारंगपुर (मध्यप्रदेश) और रेहान खान निवासी चेहड़िया (बारां) के रूप में हुई।

संघर्ष चेतना यात्रा बून्दी पहुंचने पर ढोल नगाड़ों से स्वागत

बून्दी। अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी संघ के तत्वावधान में महासंघ के 11 सूत्री मांगो पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होने सहित संवादहीनता तथा निगम बोर्ड युनिवर्सिटी कर्मचारियों के लिए एनपीएस संबंधित 09 अक्टूबर को जारी आदेश के विरोध में निकाली जा रही संघर्ष चेतना यात्रा के बून्दी पहुंचने पर ढोल नगाड़ों के साथ जिला अध्यक्ष सत्यवान शर्मा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर संघर्ष चेतना यात्रा में शामिल संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा, कर्मचारी नेता रामलाल डागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिक्षक संघ शेखावत, प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रहलाद चौधरी, शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जसवंत नरूका, राजस्थान आयुर्वेद परिचारक संघ के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र तिवारी, राजस्थान एलएचवी/एएनएम संघ ऑफ राजस्थान की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्षा नफीसा बानो, राजस्थान अधीनस्थ कर्मचारी संघ (आर्थिक एवं सांख्यिकी) के प्रदेश महामंत्री दीपक खींची, राजस्थान ठाम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश महामंत्री शिवराज चौधरी, राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ प्रदेश प्रवक्ता मोहन मीणा, प्रदेश महामंत्री लेखराज वर्मा को अभिनन्दन करते हुए रैली के रूप में नैंनवा रोड स्थित करते हुए शगुन होटन?ल पहुंची, जहां आमसभा का आयेजन किया गया।

बून्दी के कर्मचारी साथियों में नई उर्जा एवं चेतना का संचार करते हुये अपने उदबोधन में प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा ने कहा कि सरकार 8 लाख सरकारी कर्मचारियों एवं 5 लाख संविदा कर्मचारियों की शक्ति का आकलन हल्के में कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि सरकार बेकडोर से एनपीएस को लाकर ओल्ड पेन्शन को खत्म करना चाहती है। कर्मचारियों एवं पेन्शनरों के आरजीएचएस सुविधाओं में लगातार

बून्दी में संघर्ष चेतना यात्रा पहुंचने पर स्वागत किया।

- **कर्मचारियों के हक को छीन रही है सरकार : महावीर शर्मा**

कटौती करती जा रही है। पदौन्नित के अवसर खत्म करती जा रही है। नई भर्तियों को ना करके उन्ही कर्मचारियों से सभी काम करवाके संविदा भर्ती को बढावा देती जा रही है, जो संयुक्त महासंघ को कतई स्वीकार नहीं है। इन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि कर्मचारियों द्वारा संघर्ष के बल पर प्राप्त की गई सुविधा व अधिकारों को वापस लेने की हिमाकत ना करें और राज्य में हावी अफसरशाही मनमाने आदेश निकालकर कर्मचारियों को प्रताडित करना बंद करें। इन्होंने कहा कि महासंघ का मांग पत्र भी सरकार के स्तर पर लंबे समय से लंबित है, लेकिन शासन और सरकार की ओर से महासंघ के मांग पत्र की लगातार उपेक्षा की जा रही है।

कलेक्टर को ज्ञापन देंगे

अंता। बारां जिले के किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में जिला कांठोस कमेटी बारां द्वारा 17 नवम्बर को दोपहर 1 बजे धरना प्रदर्शन किया जाकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

जिला कांठोस कमेटी के संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि बारां जिले के किसानों की इस वर्ष भारी अतिवृष्टि के कारण फसलें बर्बाद हो चुकी है तथा जो उपज निकली है वह भी केवल नाममात्र की निकली है जिसके कारण उनकी लागत भी नही निकल पाई है। भाजपा सरकार द्वारा किसानों की अतिवृष्टि के कारण खराब हुई फसलों का मुआवजा नही दिया जा रहा है। यही नही पिछले वर्ष की फसलों का मुआवजा भी सरकार द्वारा नही दिया गया। जबकि किसानों से बडी राशि प्रीमियम के नाम पर काटी जा रही है। इसी के साथ-साथ अन्य मांगों को लेकर प्रमोद जैन भाया विधायक एवं पूर्व मंत्री के नेतृत्व में जिला कांठोस कमेटी द्वारा 17 नवम्बर को दोपहर 1 बजे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा।

सार-समाचार

ज्वैलर्स को बातों में उलझा उड़ाए जेवर

मंडावा। कस्बे के हाजी मार्केट स्थित एसके ज्वैलर्स की दुकान पर ग्राहक बनकर आई दो महिलाओं और एक लड़के ने जेवर खरीदने के बहाने दुकानदार को बातों में उलझा करीब डेढ़ लाख रूपए के सोने के आभूषण चोरी कर लिए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार दो महिलाएं एक किशोर लड़के के साथ उसकी दुकान पर पहुंचीं और जेवर देखने लगीं। बातचीत में उलझाकर महिलाओं ने मौके का फायदा उठाया और कानों की बाली, अंगूठी व मंगलसूत्र अपने कपड़ों में छुपा लिए। चोरी किए गए इन गहनों की कुल कीमत लगभग 1.5 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना के दौरान दुकान में पहले से एक अन्य महिला ठाहक भी बैठी हुई थी। उसे दोनों महिलाओं की हरकत संदिग्ध लगी। लेकिन उस समय उसने कुछ नहीं कहा। घर पहुंचकर उसने अपने परिजनों को बात बताई। इसके बाद परिजनों ने दुकानदार सुनिल कुमार को फोन कर शक की जानकारी दी। सूचना मिलने पर जब दुकानदार ने जेवरात मिलान किए तो कई आइटम गायब मिले। बाद में सीसीटीवी फुटेज जांचने पर दोनों महिलाएं और लड़का आभूषण चोरी करते देखे गए। मामले की जानकारी मिलते ही एएसआई मुलायम सिंह मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए आस-पास की दुकानों और गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रहे हैं। पुलिस ने अज्ञात महिलाओं और लड़के के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए दौड़े बुजुर्ग और युवा

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु के प्रति जागरूकता हेतु रविवार को हार्टफुलनेस मेडिटेशन संस्थान उदयपुर केंद्र की ओर से चित्रकूट नगर में ग्रीन हार्टफुलनेस रन आयोजित हुई।कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्ध नागरिकों, डॉक्टर, एडवोकेट एवं मेवाड रनर के स्टाफ ने पूरे मनोयोग से भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ पुनीत शर्मा, संयुक्त निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग उदयपुर ने धावकों को रंग के लिए फ्लैगऑफ किया और कहा कि ग्रीन हार्टफुलनेस रन केवल फिटनेस इवेंट नहीं है बल्कि यह आने वाली जेनरेशन के लिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश है । हार्टफुलनेस संस्थान अजमेर केंद्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक भगवान सहाय शर्मा ने फॉरेस्ट बाय हार्टफुलनेस कार्यक्रम की गतिविधियों का वर्णन किया द्य उन्होंने बताया कि हार्टफुलनेस आध्यात्मिक उन्नति का एक सरल मार्ग है जहां वैश्विक गाइड कमलेश पटेल दाजी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए देश के विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण, जल संरक्षण और हरियाली बढाने की दिशा में भी उल्लेखनीय परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। इस दौड का उद्देश्य सभी को खेल भावना से साथ ले कर अध्यात्म और पर्यावरण संरक्षण में अपने लक्ष्य प्राप्ति को ध्यान में रखना है। यह जानकारी देते हुए डॉ राकेश दशोरा, केंद्र समन्वयक ने बताया कि हार्टफुलनेस दौड में प्रथम 50 धावकों को तुलसी एवं अन्य उपयोगी पौधों का वितरण कर सम्मानित किया गया द्य मीडिया प्रभारी डॉ सुबोध शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर 25 युवा धावकों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पदमपत सिंघानिया यूनिवर्सिटी के मुकेश मिश्रा, मधु मेहता जॉन समन्वय सहित वरिष्ठ प्रशिक्षक डॉ के के सक्सेना, श्रीमती पुष्पा सक्सेना, मोहन बोराणा, गीता प्रसाद राजावत, डॉ कैलाश तिवारी, प्रफुल्ल गांधी, सिस्टर आशा शर्मा, मैराथन समन्वयक दीपक मेनारिया , हिमांशु दवे, डॉ आशु सेठी, सिस्टर मधु सिंघवी, अंजलि चावत, सिस्टर मंजु बोराना, रंजना शर्मा, धर्मराज, परेश इत्यादि अनेक युवा और बुजुर्ग सदस्यों ने दौड में बडे ही उत्साह से भाग लिया और 2 कि मी की दौड पूरी की।

लकड़ी कटाई के मामले में वन मंत्री पत्र लिखा

भीलवाड़ा। शाहपुरा उपखंड के बोरडा बावरियान वन क्षेत्र में बिना टेंडर के जेसीबी से करीब 2 करोड़ रुपये की हरी लकड़ी काटे जाने के मामले में पर्यावरण विद् बाबूलाल जाजू ने राज्य के वन मंत्री संजय शर्मा एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक पी. के. उपाध्याय को पत्र लिखकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। जाजू ने कहा कि हरे पेड़ों को काटकर लकड़ी बेचना गंभीर वन अपराध है। जाजू ने कहा कि बिना उच्च अधिकारियों की मिलीभगत के वन क्षेत्र में इतनी बड़ी अवैध कटाई संभव नहीं है। उन्होंने इस मामले में वन विभाग के उच्चाधिकारियों पर मोटे भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बताया कि विभाग द्वारा तात्कालिक कार्रवाई के रूप में केवल रेंजर एवं कुछ छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर मामले को रफा दफा करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता में उच्च अधिकारियों द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया एवं सूचना मिलने के बावजूद मौके पर नहीं पहुंचे। जाजू ने कहा कि सरकारी आरक्षित वन क्षेत्र से सैकड़ों बीघा में हरे पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को गंभीर नुकसान हुआ है। ऐसे में आवश्यक है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या उच्चस्तरीय समिति से कराई जाए ताकि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो सके। जाजू ने कहा कि यह मामला वन संरक्षण कानून के उल्लंघन का है और यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला राज्य में वन संरक्षण के प्रति सरकार की मंशा पर प्रश्नचिन्ह होगा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने ग्राम पंचायत बामणिया क्षेत्र में बिना निलामी प्रकिया के गुपचुप तरीके से 2 हजार बबूल के पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जिला कलक्टर एवं जिला परिषद सीईओ से मांग की है। जाजू ने कहा कि बिना सरपंच एवं ग्राम सचिव की मिलीभगत के करोड़ों की कीमत के हजारों की संख्या में बबूल के हरे पेड़ों की कटाई संभव नहीं है। संबंधित तत्कालीन अधिकारियों की उदासीनता एवं लापरवाही से इतनी बड़ी संख्या में पेड़ कटे हैं। जाजू ने हरे पेड़ काटने का अपराध करने वालों के विरुद्ध ठोस कार्यवाही करने की मांग की है।

'यातायात व्यवस्थाओं पर प्रशासन पुर्विचार करें'

अजमेर । सामाजिक समरस्ता एव गैर राजनैतिक संस्था कॉमन कॉज सोसायट अजमेर ने वर्तमान एलिवेटेड रोड से आए दिन हो रही अव्यवस्थाओं ने निपटने हेतु इसके रिडिजाइन सहित शहर की अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए शासन एवं प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। संस्था ने आना सागर को प्रदूषण मुक्त बनाने सहित शहर की अन्य समस्या पर सम्बधित विभागों को पत्राचार के माध्यम से उनमें सुधार की अपील की है। संस्था के महासचिव विनीत लोहिया के अनुसार वर्तमान में एलिवेटेड रोड की संरचना से विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह एवं सोनी जी की नसिया जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों के मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुए है। इसके चलते आए दिन सडको पर जाम एवं दुघटनाओं की आशंका से देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों की संख्या घट रही है। संस्था की बैठक में इस विषय पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें फव्वारा सर्किल, मार्टिंडल ब्रिज भुजाओं की पुर्नसंरचना हेतु सरकार गंभीरता से विचार करे। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न चौराहों पर लाइट्स का संचालन का संचालन, अव्यवस्थित डिवाइडर, जेब्रा लाइन, फुटपाथों पर अतिक्रमण हटाना तथा रात्रि में वाहनों द्वारा लो-भीम लाईट्स का पालन करना इत्यादी व्यवस्थाओं में सुधार हेतु ध्यान आकर्षित किया है। संस्था की बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अशोक बैंजल, गिरधारीलाल मंगल, सुनील अठावाल, रमाकांत अठावाल, सुनील जालोरी, श्रीवल्लभ माहेश्वरी, यश डाणी, राहुल टांक, उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर महासचिव विनीत लोहिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

120 जैसा स्कोर मुश्किल हो सकता है, लेकिन एक टीम के तौर पर हमें दबाव को झेलने और उसका फ़ायदा उठाने में सक्षम होना चाहिए। - ऋषभ पंत

भारतीय कार्यवाहक कप्तान, टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — अनिल कुंबले

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। मैच शो क्रिकेट लाइव में बोलते हुए, विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमज़ोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए, विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की हार पर विचार किया और कहा, मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका ने निश्चित रूप से परिस्थितियों का फायदा उठाया। स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के लिए मददगार पिच पर भारत एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया।

क्या आप जानते हैं ?... विराट कोहली को ''क्रिकेट का बादशाह'' कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और निरंतरता से दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है।

कोलकाता टेस्ट से पूरी तरह बाहर हुए गिल निगरानी में रखे गए

कोलकाता, 16 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ कोलकाता में पहले टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन के पीछे दर्द महसूस करने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए शुभमन गिल आगे इस टेस्ट मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। यह जानकारी बीसीसीआई ने रविवार सुबह तीसरे दिन के खेल शुरू होने से पहले दी। बीसीसीआई के बयान में कहा गया, ''गिल को दिन का खेल समाप्त होने के बाद जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया था। वह वर्तमान में अस्पताल में निगरानी में हैं। वह इस टेस्ट मैच में आगे कोई हिस्सा नहीं लेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी जारी रखेगी।'' शनिवार रात ही यह साफ़ हो गया था कि ईडन गार्डन्स टेस्ट के बचे हुए हिस्से में गिल की भागीदारी संदिग्ध है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने रिपोर्ट किया था कि उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। उस समय बीसीसीआई ने इसे एहतियाती कदम बताया था, क्योंकि उन्हें गर्दन में ऐंठन की समस्या हुई थी। स्टेडियम से निकलते समय गिल को नेक-ब्रेस पहने देखा गया और टीम डॉक्टर भी उनके साथ थे।

मेयो एलुमनाई सदस्यों ने साइकिल रैली में लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

जयपुर, 16 नवंबर। मेयो कॉलेज की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आज जयपुर में आयोजित साइकिल रैली में मेयो के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मेयो साइक्लिंग नेटवर्क द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को ग्लोबल सिटी राइड लाइफ़-साइकिल नाम दिया गया। साइकिल रैली में

लगभग 25 मेयो एलुमनाई मेम्बर्स ने हिस्सा लिया। यह रैली होटल नारायण निवास (नारायण सिंह चौक) से शुरू होकर पत्रिका गेट (जेएलएन मार्ग) तक पहुंची। रैली होटल नारायण निवास पर वापस आकर संपन्न हुई। जयपुर रैली के आयोजक, स्वराज सिंघी ने बताया कि यह साइकिल रैली अब तक भारत के 33 शहरों तथा विदेशों में भी आयोजित हो चुकी है। रैली को मेयो कॉलेज ओल्ड बॉयज़ सोसाइटी के अध्यक्ष, कर्नल भवानी सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, लाइफ़-साइकिल सिर्फ एक राइड नहीं है, बल्कि यह फिटनेस, दोस्ती और मेयो कॉलेज की वर्षों से चली आ रही विरासत का उत्सव है। कार्यक्रम में मेयो कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन, जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष जगदीप सिंह, बोर्ड सदस्य पृथ्वी सिंह कानोता और करण राठौड़ के साथ ही बेंगलोर चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष विवेक बाली भी उपस्थित रहे। रैली के समापन पर सभी साइकिलिस्ट्स को मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 1970 बैच के गोविंद सिंह खंडेला की भागीदारी थी, जो 70 वर्ष से अधिक आयु के होने के बावजूद उन्होंने यह रैली पूरी की है ।

सांसद खेल महोत्सव का आगाज आज

एक लाख से अधिक जयपुरराइट्स विभिन्न खेलों में होंगे शामिल

जयपुर, 16 नवंबर । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के '' फिट इंडिया, हिट इंडिया'' की थीम पर हो रहे सांसद खेल महोत्सव का आगाज सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में सुबह 10.00 बजे खेल एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होगा। आगामी 25 दिसम्बर तक चलनेवाले इस महोत्सव में एक लाख से अधिक जयपुरराइट्स विभिन्न खेलों में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम मुख्य की अतिथि उपमुख्यमंत्री दियाकुमारी होंगी वहीं अध्यक्षता खेल, युवा मामले, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। राज्यमंत्री (खेल एवं युवा मामले, उद्योग) अतिविशिष्ट अतिथि तथा विधायक कालीसराफ, कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बाल मुकुन्दाचार्य, भाजपा के विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, चंद्र मनोहर बटवाड़ा और ओलंपियन गोपाल सैनी विशिष्ट अतिथि होंगे। जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि इस खेल महोत्सव में 10 से लेकर 60 साल के एक लाख से अधिक लोग विभिन्न खेलों में भाग लेंगे। इसमें वार्ड स्तर पर मौजूद ऐसी खेल प्रतिभाएँ जिन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं मिला, ऐसे खिलाड़ि यों को तलाशा और तराशा जाएगा। इसके साथ ही ऐसी खेल प्रतिभाओं को आगे लाया जाएगा जो खेल के जरिए भारतमाता के मुकुट में चांद लगा सके।

थाईलैंड ने मैत्री मुकाबले में भारत को 4-0 से हराया

बैंकॉक, 16 नवंबर। थाईलैंड के खिलाफ भारत की अंडर-23 राष्ट्रीय टीम को फुटबॉल के मैत्री मुकाबले में 0-4 से हार का सामना करना पड़ ा। पथुम थानी के थम्मासैट स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए इस मुकाबले में थाईलैंड ने आक्रामक शुरुआत की इस दौरान भारतीय टीम ने भी कई बार जवाबी हमले किये। सिराफोप वांडी ने (32वें मिनट) में गोलकर थाईलैंड को बढ़त दिलाई। भारत के पास 40वें मिनट में बराबरी करने का सुनहरा मौका था जब ऐमेन बाईं ओर से अपने मार्करों को चकमा देते हुए गोल लाइन तक पहुंच गए और विनीत वेंकटेश के लिए गेंद को वापस कट किया। विनीत पास को नियंत्रित नहीं कर पाए और गोल करने से चूक गये। इसके बाद फोन-एक मनीकोर्न ने (42वें मिनट) ने पेनल्टी को गोल में बदलकर हाफ-टाइम तक बढ़त को दोगुना कर दिया। हॉफ टाइम के बाद चैयाफोन ओटन ने (47वें मिनट) ने तीसरा, जबकि थानाकृत चोटमुआंगपाक (62वें मिनट) ने चौथा गोल किया।

हार्मर और यानसन का कहर, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया

कोलकाता 16 नवंबर। कप्तान टेम्बा बावुमा (नाबाद 55) की जुझारू पारी के बाद साइमन हार्मर (चार विकेट), मार्को यानसन और केशव महाराज (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर विश्व चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच में तीसरे ही दिन भारत को रविवार को 30 रनों से हरा दिया।

124 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत को तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने भोजनकाल से पहले यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल को सस्ते में निपटा दिया। भोजनकाल तक भारत ने दो विकेट पर 10 रन बना लिये थे। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में मार्को यानसन ने यशस्वी जयसवाल (शून्य) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउट कराकर दक्षिण अफ्रीका पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे ओवर में केएल राहुल को भी उसी तरह आउट कराकर दिखाया कि बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पिच पर वह आसानी से भारत को जीतने नहीं देंगे।

भारत का तीसरा विकेट 15वें ओवर में ध्रुव जुरेल (13) के रूप में गिरा। उन्हें साइमन हार्मर ने आउट किया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये और तू चल मैं आया की तर्ज पर एक-एक

कर पवेलियन लौटते चले गये। ऋषभ पंत (दो) और रवींद्र जडेजा (18) को हार्मर ने आउट किया। 31वें ओवर में एडन मारक्रम ने वॉशिंगटन सुंदर (31) को आउटकर भारत की मैच जीतने की उम्मीद को खत्म कर दिया। 35वें ओवर में केशव महाराज ने अक्षर पटेल (26) और मोहम्मद सिराज को आउटकर भारत की दूसरी पारी का 93 के स्कोर पर अंत कर दिया। केशव महाराज ने अपने ओवर में एक चौका और दो छक्के खाने के बाद अक्षर पटेल का शिकार किया।

इससे पहले मोहम्मद सिराज (दो रन देकर दो विकेट) और जसप्रीत बुमराह (एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने सुबह के सत्र में भोजनकाल से पहले दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी को 153 रनों के स्कोर पर समेट दिया।

कप्तान टेम्बा बावुमा (नाबाद 55) की जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और मुश्किल पिच पर भारत को जीत के लिए 124 रनों का लक्ष्य मिला।

दक्षिण अफ्रीका ने कल के सात विकेट पर 93 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में टेम्बा बावुमा ने अपनी जुझारु बल्लेबाजी का परिचय देते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी दौरान जसप्रीत बुमराह ने कॉर्बिन बॉश (29) को बोल्डकर भारत को आठवीं सफलता दिलाई।

इसके बाद 54वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने पहले साइमन हार्मर (सात) को बोल्ड किया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर केशव महाराज को पगबाधा आउटकर 153 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी का अंत कर दिया। पहली पारी के आधार पर भारत को मिली बढ़त 30 रनों की बढ़त के आधार पर उसे जीत के लिए 124 रनों का लक्ष्य मिला। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने चार ने चार विकेट लिये। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को दो-दो विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। भारत का सुबह के सत्र में दक्षिण अफ्रीका को अतिरिक्त रन बनाने के मौके देना अंततः भारी पड़ा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन के कारण अस्पताल में भर्ती थे और बल्लेबाजी करने नहीं आ पाये। भारत की पारी 93 रन पर सिमट गई।

सिराज के इस साल 41 विकेट

सिराज 2025 में हाईएस्ट विकेट टेकर बनने से मात्र एक विकेट दूर मोहम्मद सिराज इस साल का टॉप विकेटटेकर बनने से एक विकेट दूर हैं। उन्होंने कोलकाता टेस्ट में कुल 4 विकेट चटकाए। सिराज के नाम अब 9 मैच में 41 विकेट हो गए हैं। टॉप पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी हैं। उनके नाम 10 टेस्ट में 42 विकेट हैं।

ईडन गार्डन्स की पिच खेलने लायक थी, बल्लेबाजी के लिए और धैर्य की जरूरत थी: गंभीर

कोलकाता, 16 नवंबर । भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पिच खेलने लायक थी और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय बल्लेबाजी के सामने चुनौतियां परिस्थितियों से ज़्यादा तकनीक, धैर्य और मानसिक दृढ़ता से जुड़ी थीं।

पहले टेस्ट में भारत की 30 रनों से हार के बाद गंभीर ने कहा कि विकेट ने रन बनाने के मौके दिए और बल्लेबाजों के कौशल के बजाय दबाव को झेलने की उनकी क्षमता का परीक्षण किया। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, ''यह खेलने लायक थी। दोनों टीमों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन यह ऐसी पिच थी जहां तकनीक और धैर्य की परीक्षा हुई, न कि ऐसी सतह जिस पर खेलना संभव न हो।''गंभीर ने टेम्बा बावुमा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि विकेट के टर्निंग स्वभाव के बावजूद रन बने। उन्होंने बताया कि पिच से टर्न तो मिल रहा था, लेकिन ज़्यादातर विकेट तेज गेंदबाज़ों ने लिए, जिससे उनकी इस राय को बल मिला कि पिच ज़्यादा मुश्किल नहीं थी। उन्होंने आगे कहा, ''क्यूरेटर काफ़ी सहयोगी थे और पिच बिल्कुल वैसी ही थी जैसी हमें चाहिए थी। अगर आप धैर्य बनाए रखें और मजबूत डिफेंस और धैर्य रखें, तो आप रन बना सकते हैं।''

पूर्व सलामी बल्लेबाज़ ने भारत की बल्लेबाजी इकाई में अनुभव और मानसिक मजबूती की जरूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी इकाई को देखें तो ज़्यादा अनुभव नहीं है। कौशल के अलावा, मानसिक मजबूती भी जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में अगर आप दबाव नहीं झेल पाते, तो यह बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। टर्निंग विकेट पर, पहले 10-15 मिनट हमेशा सबसे मुश्किल होते हैं। एक बार जब आप इससे पार पा लेते हैं, तो तेज गेंदबाजों के लिए

चीजें आसान हो जाती हैं।''

उन्होंने टीम की ज़िम्मेदारी के महत्व पर भी ज़ोर दिया और इस बात पर ज़ोर दिया कि टेस्ट मैच एक सामूहिक प्रयास होता है। उन्होंने कहा, ''हम साथ मिलकर जीतते हैं और साथ मिलकर हारते हैं। कोई भी खिलाड़ी या टीम अकेले टेस्ट मैच नहीं जीतती या हारती। हर खिलाड़ी योगदान देता है, और जब हम हारते हैं, तो यह सामूहिक ज़िम्मेदारी होती है।''

गंभीर ने मैच के दौरान ऋषभ पंत के रवैये का बचाव करते हुए कहा कि अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना और दबाव में समझदारी से काम लेना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, ''पंत बाएं हाथ के स्पिनर का सामना करने की कोशिश कर रहे थे, जो उस समय टीम को साझेदारियां बनाने और महत्वपूर्ण रन बनाने में मदद करने का सबसे अच्छा विकल्प था। कभी-कभी, आपको रणनीतिक रहते हुए खिलायिों को अपना स्वाभाविक खेल खेलने देना चाहिए।''

गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में, खासकर चुनौतीपूर्ण पिचों पर और चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए, दबाव से निपटने के महत्व पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ''कौशल मौजूद है-इसलिए ये खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लेकिन दबाव में मानसिक दृढ़ता में सुधार करना महत्वपूर्ण है। दबाव को झेलना और साझेदारियां बनाना ही टीम को इस तरह के विकेटों पर सफल होने में मदद करता है।''

गंभीर ने दोहराया कि पिच को दोष देने के बजाय कौशल और धैर्य को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''दोनों टीमों को एक जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। हमारे पास किसी भी परिस्थिति और किसी भी सतह पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। आगे की टीम के बारे में आज शाम और कल फैसला लिया जाएगा।''

120-125 हमेशा जीत का स्कोर नहीं होता: बावुमा

कोलकाता, 16 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने ईडन गार्डन्स में भारत पर अपनी टीम की रोमांचक पहली टेस्ट जीत की कुंजी के रूप में दृढ़ता और विश्वास के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे दृ ढ़संकल्प ने एक मामूली स्कोर को विजयी प्रदर्शन में बदल दिया।

मैच के बारे में बात करते हुए, बावुमा ने कहा, ''ऐसा हर बार नहीं होता कि आप 120-125 का स्कोर बनाते हैं और आपको लगता है कि यह जीत का स्कोर है। यह बस खेल में बने रहने और विश्वास बनाए रखने का मामला था।''

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों के बावजूद, टीम ने संयम बनाए रखने और सामने आए मौकों का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया।

ये टिप्पणियाँ दक्षिण अफ्रीका द्वारा ईडन गार्डन्स में दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच में भारत को 30 रनों से हराने के बाद की गईं। प्रोटियाज की पारी को महत्वपूर्ण साझेदारियों, खासकर कॉर्बिन बॉश और मार्को जेनसन के साथ, ने मजबूत किया, जिसने टीम को निर्णायक क्षणों में गति प्रदान की।

बावुमा ने कहा, ''बॉश के साथ और मार्को के साथ भी, उस साझेदारी ने हमें आज सुबह थोड़ा बेहतर खेलने के लिए

प्रेरित किया। हमने जितना हो सके खेल में बने रहने की कोशिश की।''बावुमा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के अपने तरीके पर भी चर्चा की।उन्होंने कहा, ''मैं यहां अच्छा प्रदर्शन करने की चाहत लेकर आया हूँ। इन परिस्थितियों में मेरा रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है, इसलिए खुद को इन परिस्थितियों को सीखते हुए और उन सभी छोटी-छोटी चीज़ों को लागू करते हुए जिन्हें मैं आजमा रहा हूँ और टीम के लिए योगदान देते हुए देखना मेरे लिए एक उत्साहजनक अनुभव रहा है। जिस तरह से मैंने खेला, वह सिर्फ़ एक जागरूकता थी,'' उन्होंने कहा।

उन्होंने अपनी तकनीक और निर्णय लेने की क्षमता पर भरोसा जताया और दबाव में प्रतिक्रिया देने के बजाय निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर ज़ोर दिया। ''बल्लेबाज़ी के नजरिए से, मैं अपने आप में, अपनी तकनीक में सहज हूँ, ट्रिगरिंग और इस तरह की सभी चीज़ों की चिंता नहीं करता। मुझे खेल की अच्छी समझ है,'' बावुमा ने आगे कहा।

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने गेंदबाजी इकाई, ख़ासकर साइमन हार्मर और केशव महाराज की भी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, ''इन दोनों से हमारा गेंदबाजी आक्रमण निश्चित रूप से मजबूत हुआ है। कगिसो रबाडा के बिना भी, इन परिस्थितियों में हमारे पास एक मजबूत जोड़ ी है।''इस जीत में क्षेत्ररक्षण ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें बावुमा ने भारत के अक्षर पटेल को आउट करने के लिए लिए गए अपने अहम कैच को याद किया। उन्होंने कहा, ''यह आसान नहीं था। मुझे खुशी है कि मैंने इसे बखूबी किया। अक्षर अपनी लय में थे, और हम जानते हैं कि भारतीय बल्लेबाज कैसे खेलते हैं। जब उनके पास लय होती है, तो वे और भी ज़ोरदार खेलते हैं।

सौभाग्य से, वह एक गलती करने में सफल रहे। मैं अपने छोटे हाथों से उन्हें पकड़ ने में कामयाब रहा। ये वो पल होते हैं जिनका आप हिस्सा बनना चाहते हैं। आप इसे किसी और को नहीं देना चाहते। आप इसे टीम के लिए करना चाहते हैं।'' बावुमा के विचारों ने कौशल, अनुकूलनशीलता और टीम के विश्वास के संयोजन को उजागर किया जिसने दक्षिण अफ्रीका को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से पार पाकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाने में मदद की।

भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराया

राजकोट 16 नवंबर । निशांत सिंधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋतुराज गायकवाड़

(नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़ कर अच्छी शुरुआत दिलाई।

भारत ए का पहला विकेट नौवें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में गिरा। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। उन्हें लुथो सिपामला ने आउट किया। भारत ए ने 27.5 ओवर में एक विकेट पर 135 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। तिलक वर्मा 62 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋतुराज गायकवाड़ ने 83 गेंदों में नौ चौको की मदद से 68 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। आठवें ओवर में हर्षित राणा ने लुआन-द्रे प्रेटोरियस (21) को आउटकर भारत ए को पहली सफलता दिलाई।

भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा: पुजारा

नयी दिल्ली, 16 नवंबर । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़

ा। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो क्रिकेट लाइव में बोलते हुए, जियोस्टार के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमज़ोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला।

क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए, पुजारा ने भी बताया कि पहले टेस्ट में टीम इंडिया के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा,मेरा मानना है कि सबसे पहले, हमें नहीं पता कि टीम प्रबंधन वास्तव में ऐसी पिच चाहता था या नहीं। लेकिन सतह चाहे जो भी हो, आपको उस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। मैं कहूंगा कि हमें थोड़

ी बेहतर गेंदबाज़ी करनी चाहिए थी और साथ ही, बेहतर बल्लेबाज़ी भी करनी चाहिए

थी।

पुजारा ने कहा, दुर्भाग्य से, हमारे पास एक बल्लेबाज कम था। शुभमन गिल पहली पारी में चोटिल हो गए और दूसरी पारी में भी उपलब्ध नहीं थे। यह भारतीय टीम के लिए एक बड़

ा नुकसान था। लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। अगर भारतीय टीम ऐसी सतहों पर और मैच खेलती है, तो रन बनाने के मौके कहां से आएंगे? यह एक ऐसी बात है जिस पर टीम मीटिंग में चर्चा होनी चाहिए। बल्लेबाजी कोच को भी बल्लेबाज़ों से बात करनी होगी। उन्हें अपने पैरों का इस्तेमाल करना होगा, स्वीप शॉट खेलना होगा और ऐसी पिचों पर थोड़

ा और सकारात्मक खेलना होगा। आपको गेंदबाज पर दबाव बनाना होगा, और यही कुछ

मिशेल का शतक, न्यूजीलैंड ने दिया वेस्टइंडीज को 270 रनों का लक्ष्य

क्राइस्टचर्च 16 नवंबर (वार्ता) डैरिल मिशेल (119) और डेवन कॉन्वे (49) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 270 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। ऐसे संकट के समय डैरिल मिशेल ने डेवन कॉन्वे के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। 19वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स ने डेवन कॉन्वे (49) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद डैरिल मिशेल जहां जुझारू पारी का प्रदर्शन करते हुए स्कोर को आगे बढ़ते रहे। वहीं अन्य बल्लेबाज वेस्टइंडीज

की अनुशासित आक्रमण से जूझते दिखे। टॉम लेथम (18), माइकल ब्रेसवेल (35) और कप्तान मिचेल सैंटनर (11) रन बनाकर आउट हुये।न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 269 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स ने तीन विकेट लिये। मैथ्यू को दो विकेट मिले। रॉस्टर चेज और जस्टिन ठीव्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

महिला कबड्डी वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने उतरेगा भारत

ढाका, 16 नवंबर । भारत महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। यह टूर्नामेंट सोमवार से बांग्लादेश के ढाका में शुरू हो रहा है। सभी मुकाबले 17 से 24 नवंबर के बीच मीरपुर स्थित शहीद सुहरावर्दी इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत में महिला कबड्डी विश्व कप 2025 की लाइव स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध रहेगी। यह टूर्नामेंट 13 साल बाद वापसी कर रहा है और यह कुल मिलाकर दूसरा महिला कबड्डी विश्व कप है। पहले संस्करण में भारत की महिला टीम ने पटना, बिहार में खेले गए फाइनल में ईरान को हराकर खिताब जीता था। उस समय 16 टीमों ने खिताब के लिए मुकाबला किया था 2025 संस्करण को पहले जून में बिहार में आयोजित होना था, फिर इसे अगस्त के लिए हैदराबाद शिफ्ट किया गया, लेकिन कई बार स्थगित होने के बाद आखिरकार इसे बांग्लादेश में आयोजित करने का फैसला लिया गया।

सचिन यादव और कुणाल सिंह राठौर के शतक, राजस्थान चार विकेट पर 263 रन

जयपुर, 16 नवंबर सचिन यादव (130) और कुणाल सिंह राठौर (102) रनों की शानदार शतकीय पारियों के दम पर राजस्थान ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में शुरुआत झटकों से उबरते हुए दिल्ली के खिलाफ रविवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय चार विकेट पर 263 रन बना लिये।

आज यहां दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान के लिए सचिन यादव और सलमान खान की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। 13वें ओवर में सिमरजीत सिंह ने सलमान खान

(18) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 15वें ओवर में सिमरजीत सिंह ने साहिल दीवान (दो) को अपना शिकार बना लिया। 82वें ओवर में नवदीप सैनी ने कुणाल सिंह राठौर को आउटकर इस साझेदारी को तोड़

ा। कुणाल सिंह राठौर ने 198 गेंदों में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 102 रन बनाये। राजस्थान का चौथा विकेट सचिन यादव के रूप में गिरा। उन्हें सिमरजीत सिंह ने पगबाधा आउट किया। सचिन यादव ने 257 गेंदों में 17 चौके और दो छक्कों की मदद से 130 रन बनाये।

दिन का खेल समाप्त होने के समय राजस्थान ने चार विकेट पर 263 रन बना लिये है और जयदीप सिंह (नाबाद दो) क्रीज पर मौजूद थे।

अर्जुन क्वार्टर फ़ाइनल में ; पी. हरिकृष्णा टाईब्रेक खेलेंगे

पणजी, 16 नवंबर। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन के ड्रॉ के ऑफर को ठुकरा दिया और शनिवार को अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाते हुए काले मोहरों से जीत हासिल कर यहां जारी फ़िडे विश्व कप 2025 के क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया। इधर, पी. हरिकृष्णा को अब आगे बढ़ने के लिए टाईब्रेक खेलना होगा। राउंड 5 का पहला गेम सफ़ेद मोहरों से ड्रॉ करने के बाद, अर्जुन ने पहले कॉर्नर पर अरोनियन के किंग को पिन कर दिया और दो बार के विश्व कप विजेता को 38वीं चाल के बाद हार मानने पर मजबूर कर दिया।

मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश और नरेंद्र ने पहले दिन पदक पक्के किए

ठोटर नोएडा, 16 नवंबर। विश्व चैंपियन मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश फंगल और नरेंद्र बेरवाल ने भारत को विश्व मुक्केबाजी कप फ़ाइनल 2025 के पहले दिन शानदार शुरुआत दिलाई, जहां चारों ने प्रभावशाली जीत के साथ पदक पक्के किए। टूर्नामेंट में प्रत्येक वर्ग में दुनिया के केवल आठ शीर्ष मुक्केबाज़ों ने हिस्सा लिया, लेकिन भारतीय चौकड़

ी ने पहले दौर में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफ़ाइनल में प्रवेश कर लिया और शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पोडियम फ़िनिश सुनिश्चित कर ली।

विश्व स्तरीय दावेदारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित इस क्षेत्र में, हर मुकाबले में सटीकता और संयम की आवश्यकता थी, और भारतीयों ने पूरी क्षमता से इस अवसर का लाभ उठाया। विश्व चैंपियनशिप लिवरपूल 2025 की स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी (48 किग्रा) ने शुरुआत में ही अपनी लय बना ली और कज़ाकिस्तान की बोल्ट अकबोटा के खिलाफ पहली घंटी से ही अपने सटीक और साफ मुक्कों से एक तेज मुकाबले की शुरुआत की।

धनुष श्रीकांत ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ कर डेफलंपिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो, 16 नवंबर। धनुष श्रीकांत ने जापान के टोक्यो में चल रहे 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में 10 मीटर एयर राइफल में विश्व बधिर रिकॉर्ड तोड़ते हुए निशानेबाजी में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने डेफलंपिक क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड भी तोड़कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में, धनुष ने 252.2 अंक बनाकर अपने ही विश्व रिकॉर्ड 251.7 अंक से बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक जीता। महिला निशानेबाजों ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता के पहले दिन निशानेबाजी में भारत के लिए कुल चार पदक जीते। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फ़ाइनल में, महित संधू ने 250.5 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जो यूक्रेन की वायलेटा लाइकोवा से 1.9 अंक पीछे था, जिन्होंने 252.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत की कोमल मिलिंद वाघमारे ने 228.3 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतकर भारतीय महिलाओं के लिए दोहरा पोडियम फ़िनिश बनाया।

फ़ाइनल में धनुष का स्कोर पिछले हफ़्ते आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा के फ़ाइनल में जर्मनी के मैक्सिमिलियन डेलिंगर द्वारा बनाए गए स्कोर से ज़्यादा है। जर्मन खिलाड़ी 252.0 अंकों के साथ विश्व चैंपियन बने, जो टोक्यो में धनुष द्वारा बनाए गए स्कोर से 0.2 अंक कम है। फ़ाइनल में दोनों भारतीय निशानेबाज़ों के बीच कड़ी टक्कर रही, लेकिन धनुष ने ज़्यादातर हाई-10 स्कोर बनाए जिससे उन्हें स्वर्ण पदक मिला। दक्षिण कोरिया के सेउंघाक बाक ने कांस्य पदक जीता।

आईपीएल 2026 में ऋतुराज होंगे चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान

चेन्नई, 16 नवंबर । चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने एक्स पोस्ट से साफ कर दिया कि आईपीएल 2026 में टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़

ही करेंगे। फ्रेंचाइजी ने औपचारिक ऐलान नहीं किया, लेकिन पोस्ट में जिस तरह तस्वीर और संदेश दिया था, उससे यह बिल्कुल स्पष्ट था कि कप्तानी फिर से गायकवाड़ के पास ही रहेगी। पिछला सीजन गायकवाड़ के लिए मुश्किल भरा था। उन्होंने आईपीएल 2025 के शुरुआती पांच मैचों में टीम की कप्तानी की थी। इन मुकाबलों में चेन्नई को सिर्फ एक जीत मिली थी और चार मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। इन्हीं पांच मैचों में गायकवाड़ ने 122 रन बनाए थे। राजस्थान के ख़िलाफ उन्हें कोहनी पर चोट लगी और उसके बाद वह पूरे सीजन से बाहर हो गए।

राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की निष्ठा व भावना के अनुरुप सहभागिता फ्रेमवर्क बनाया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस समारोह को सामाजिक- आर्थिक परिवर्तन के दौर में महत्वपूर्ण बताया

जयपुर, 16 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है। यह कार्यक्रम देश और विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के लिए जड़ों से जुड़ने और अपनी मातृभूमि के लिए योगदान करने की दिशा में एक अनूठी पहल साबित होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर राजस्थान अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इस परिवर्तन को गति देने में प्रवासी राजस्थानियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में राज्य के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका को और सशक्त करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें निवेश, नवाचार तथा सामाजिक योगदान के नए अवसरों से जोड़ने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

विविध विषयों पर होने वाले सेक्टोरल सत्रों में राजस्थान के बदलते औद्योगिक एवं निवेश परिवेश और जुड़ाव की संभावनाओं पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। पर्यटन सत्र में विशेषज्ञ राजस्थान के परम्परागत हैरिटेज टूरिज्म के साथ-साथ एडवेंचर और वॉटर बेस्ड पर्यटन के नए स्वरूपों पर अपने विचार रखेंगे।

- **राजस्थान दिवस समारोह में विविध विषयों पर होने वाले सेक्टोरल सत्रों में विशेषज्ञ राजस्थान के बदलते औद्योगिक व निवेश परिवेश में जुड़ाव की संभावनाओं पर विचार रखेंगे।**

राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की मातृभूमि के प्रति निष्ठा और योगदान की भावना को सम्मान देते हुए सहभागिता फ्रेमवर्क तैयार किया है। राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए 'सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टेक्ट' के रूप में सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच सिद्धारमैया व शिवकुमार दिल्ली पहुंचे

बेंगलुरु, 16 नवंबर। कर्नाटक के मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा के बीच राजनीतिक पर्यवेक्षक मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की नयी दिल्ली यात्रा पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस के दोनों प्रभावशाली नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से मुलाकात की और उनसे चर्चा की। एक पखवाड़े पहले मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि उन्होंने दिल्ली के अपने दौरे के दौरान मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा के लिए राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा है।

ट्रक-टेम्पो की टक्कर में रामदेवरा जा रहे 5 श्रद्धालुओं की मौत

टेम्पो सवार 20 श्रद्धालू गुजरात में साबरकांठा के रहने वाले थे

- **जोधपुर- जैसलमेर हाइवे पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टेम्पो को सामने टक्कर मारी। टेम्पो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में 2 बच्चों सहित 12 लोग घायल हुए।**

जोधपुर, 16 नवम्बर (कासं)। जोधपुर में ट्रक और टैम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर कर दिया गया। मथुरा दास माथुर अस्पताल में सभी घायलों को भर्ती किया गया है। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे।

हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ। बालेसर थाना प्रभारी मूल सिंह भाटी ने बताया कि बालेसर में नेशनल हाईवे-125 पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टैम्पो को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैम्पो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक आगे जाकर पलट गया।

टैम्पो में आगे बैठे महेंद्र ने बताया कि गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा जा रहे श्रद्धालुओं में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 20 लोग टैम्पो में सवार थे। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोगों ने जोधपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। मृतकों में 4 बच्चे भी शामिल हैं।

बिहार में महागठबंधन के ''दोस्ताना मुकाबलों'' का लाभ राजग को मिला

''दोस्ताना मुकाबले'' की 11 सीटों में से 7 जदयू, 3 भाजपा ने तथा एक सीट हम पार्टी ने जीती

- **महागठबंधन के घटक दल जब अंत तक सीटों का बंटवारा नहीं कर पाये थे, और 'दोस्ताना मुकाबले' के निर्णय पर पहुंचे थे, तब ही यह माना जाने लगा था कि इन सीटों पर राजग के सहयोगी दल लाभ में रहेंगे।**

पटना, 16 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार 11 सीटों पर महागठबंधन के प्रत्याशियों के बीच 'दोस्ताना' मुकाबला हुआ, जिसका फायदा उठाते हुए इन सभी सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों ने अपना कब्जा जमा लिया।

इस बार के चुनाव में बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 11 सीटों वैशाली, राजापाकड़ (सुरक्षित), बिहारशरीफ, बछवाड़ा, बेलदौर, कहलगगांव, सुल्तानगंज, चैनपुर, सिकंदरा (सुरक्षित) , करहगर और नरकटियागंज में महागठबंधन के घटक दल के उम्मीदवार चुनावी संग्राम में अपने ही गठबंधन के प्रत्याशियों को चुनौती देते नजर आये। राजग के घटक, जनता दल यूनाईटेड (जदयू) ने अपनी सियासी तीर से सात सीटों वैशाली,राजापाकड़ (सुरक्षित), बेलदौर,कहलगांव, सुल्तानगंज,चैनपुर और करगहर सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवारों को ढ`ेर कर दिया। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन सीटों बिहारशरीफ, बछवाड़ा और नरकटियागंज पर पार्टी का 'भगवा' लहरा दिया। इसी तरह हिंदुस्तानी आवामी मोर्चा (हम) ने सिकंदरा (सुरक्षित) सीट अपने लिये सुरक्षित कर ली।

उल्लेखनीय है कि महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने में काफी देरी हुई। महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों को लेकर काफी खींच-तान भी देखने को मिली। अंतिम समय तक इन 11 सीटों पर महागठबंधन के घटक दलों में कोई समझौता नहीं हुआ। ऐसे अनुमान लगाये जा रहे थे कि इन सीटों पर महागठबंधन के बीच दोस्ताना मुकाबला का फायदा राजग को मिल सकता है, और ऐसा ही हुआ। दो सीटें राजापाकड़ (सुरक्षित) और करहगर, जिस पर कांग्रेस ने वर्ष 2020 में कब्जा जमाया था ,यह सीट भी उसके हाथ से निकल गयी। राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी पांच सीटों कहलगगांव, सुल्तानगंज, सिकंदरा (सुरक्षित), वैशाली और नरकटियागंज में आमने-सामने थे। कांग्रेस और भाकपा के उम्मीदवारों ने चार सीटों बिहारशरीफ, करहगर, राजापाकड़ (सुरक्षित) और बछवाडा में एक-दूसरे को चुनौती दी।

आसियान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य सरकार का यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के अनुरूप है, जिसके माध्यम से भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ किया जा रहा है।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे अभी तक विस्फोट की प्रकृति के बारे में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचे हैं क्योंकि घटनास्थल से कोई डेटोनेटर बरामद नहीं हुआ है। इसलिए अन्य संभावित पहलुओं के साथ-साथ वीबीआईईडी पहलू से भी जांच की जा रही है।

शेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह तिथि न्यायाधिकरण-एक की तीन सदस्यीय न्यायिक पीठ द्वारा निर्धारित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति मोहम्मद गोलाम मुर्तुजा मोजुमदार ने की थी तथा न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीउल आलम महमूद और न्यायमूर्ति मोहितुल हक इनाम चौधरी इसके सदस्य थे।

बीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा, मैं एनडीए को मिले इतने बड़े जनादेश के लिए बिहार की जनता को धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। इस जनादेश के साथ अगले 5 सालों के लिए हमारी जवाबदेही भी है। सरकार बनाने के लिए बातचीत चल रही है। जल्द ही सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

बिहार में 11 सीटों पर जीत का अंतर एक हजार से कम रहा

- **इन कांटे के मुकाबलों में से 3 राजद, 2-2 जदयू व कांग्रेस तथा 1-1 भाजपा व बसपा के पक्ष में रहे**

पटना, 16 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार 11 सीटों पर 1000 से भी कम मतों से जीत-हार का फैसला हुआ।

इस बार के चुनाव में कांटे के मुकाबले वाली 11 सीटों में से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने तीन, जनता दल यूनाइटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और कांग्रेस ने दो-दो सीटों पर जीत दर्ज की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी एक-एक सीटें अपने नाम की। कांटे की लड़ाई में तीन सीटों, संदेश, रामगढ़ और अगियांव (सुरक्षित) में हार-जीत का फैसला 100 मतों के अंतर से तय हुआ।

बिहार में इस बार सबसे नजदीकी मुकाबला संदेश विधानसभा क्षेत्र में हुआ, जहां जदयू उम्मीदवार राधा चरण साह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार दीपू सिंह को 27 मतों के अंतर से पराजित कर दिया।

रामगढ़ विधानसभा सीट पर भी काफी रोचक मुकाबला देखने को मिला। बसपा के उम्मीदवार सतीश कुमार सिंह यादव ने भाजपा के उम्मीदवार और निवर्तमान विधायक अशोक कुमार सिंह को बेहद करीबी मुकाबले में 30 मतों के अंतर से मात दी। अगियांव (सुरक्षित) सीट से भाजपा उम्मीदवार महेश पासवान ने भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा माले) उम्मीदवार और निवर्तमान विधायक शिव प्रकाश रंजन को बेहद करीबी मुकाबले में 95 मतों के अंतर से शिकस्त दी। नवीनगर विधानसभा सीट से पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह और सांसद लवली आनंद के पुत्र और जदयू उम्मीदवार चेतन आनंद ने कांटे की टक्कर में राजद उम्मीदवार आमोद कुमार सिंह को 112 मतों के अंतर से परास्त किया।

जोधपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहचान कर ली है और आरोपी ड्राइवर को पकड़ने का प्रयास कर रही है। बताया जा रहा है कि बच्चे सड़क के किनारे बैठकर खेल रहे थे। सड़क किनारे बच्चे को कुचलते हुए कार निकल गई।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908